E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 59 | प्रयागराज, शनिवार 09 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिका ने सीजफायर तोड़ ईरान पर फिर बमबारी की,ट्रम्प बोले- डील नहीं की तो और हमले करेंगे-होर्मुज में 1500 जहाज फंसे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी सेना ने ईरान पर फिर बमबारी की है। ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सीजफायर के बीच यह कार्रवाई की। दरअसल, अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया है। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर तेहरान डील नहीं करता तो हम फिर हमले करेंगे। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिकी जंगी जहाजों पर हमला किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच फायरिंग हुई, जिसमें हमने उन्हें बुरी तरह से तबाह कर दिया और उनकी कई छोटी नावों को डुबो दिया। हम उन्हें परमाणु हथियार रखने का अधिकार नहीं देंगे और वे इस बात पर सहमत हो गए हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी आईएमओ के महासचिव आर्सेनियो डोमिंगेज ने कहा है कि होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंस गए हैं। इन जहाजों के साथ

हुए हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-30 दिन के अस्थायी समझौते पर बातचीतः न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और ईरान 30 दिन तक लड़ाई रोकने और होर्मुज स्ट्रेट खोलने के प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे हैं। इसी दौरान स्थायी डील पर बातचीत जारी रहेगी। ट्रम्प-अमेरिकी जहाजों पर हमला हुआः राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज से गुजर रहे अमेरिकी जंगी जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले हुए, लेकिन अमेरिकी सेना ने उन्हें मार गिराया और 'ईरानी छोटी नावों को तबाह कर दिया।' होर्मुज में करीब 1500 जहाज फंसेः संयुक्त राष्ट्र की समुद्री एजेंसी आईएमओ के मुताबिक, होर्मुज संकट के कारण खाड़ी क्षेत्र में करीब 1500 जहाज फंसे हुए हैं। तेल, गैस और सप्लाई चेन पर असर बढ़ रहा है, जबकि सोमालिया जैसे देशों में खाद्य संकट और गहरा गया है। इजराइल-हिजबुल्लाह संघर्ष फिर तेजः इजराइल ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह की रदवान यूनिट के कमांडर अहमद बलूत समेत कई बड़े कमांडरों को बेरूत हमले में मार गिराया। जवाब में हिजबुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में इजराइली टैंक और सैन्य ठिकानों पर हमलों का दावा किया। अमेरिका ने नए प्रतिबंध लगाएः अमेरिका ने ईरान से जुड़े नेटवर्क पर नए प्रतिबंध लगाए। इनमें इराक के डिप्टी ऑयल मिनिस्टर अली मारीज अल-बहादली और कई कंपनियां शामिल हैं। अमेरिका का आरोप है कि ये लोग तेल कारोबार के जरिए ईरान और उसके समर्थित समूहों की मदद कर रहे थे।ईरानी स्टेट मीडिया ने अमेरिका-इजराइल हमलों में एयरपोर्ट और यात्री विमान को नुकसान का वीडियो जारी किया। पूर्व अमेरिकी राजनयिक और सुरक्षा विशेषज्ञ डोनाल्ड जेनसन ने होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका और ईरान के बीच हाल में हुई नौसैनिक झड़प को सिर्फ छोटी मुठभेड़ नहीं, बल्कि कंट्रोल्ड एस्केलेशन यानी नियंत्रित तनाव बताया है। अल जजीरा से बातचीत में जेनसन ने कहा कि दोनों देश बातचीत के बीच अपनी ताकत और इरादे दिखाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि साथ ही कुछ अहम मुद्दों पर समझौते का ढांचा तैयार करने की कोशिश भी चल रही है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच किसी तरह का समाधान निकलने की संभावना है, लेकिन यह वैसा बड़ा और व्यापक समझौता नहीं होगा जैसा दोनों चाहते हैं।

सुवेंदु अधिकारी बंगाल के सीएम होंगे, गृह विभाग रखेंगे,रूपा गांगुली समेत 2 डिप्टी सीएम बनेंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी होंगे। राज्य में दो उप-मुख्यमंत्री के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आज यानि शविवार को 10 बजे मुख्यमंत्री शपथ लेंगे। शपथ

भी होंगे। डिप्टी सीएम के तौर पर रूपा गांगुली के नाम पर मुहर लग चुकी है। दूसरा डिप्टी सीएम उत्तर बंगाल से पुरुष विधायक होगा। सुवेंदु के पास गृह विभाग का प्रभार होगा। सुवेंदु विधायक दल की बैठक के लिए कोलकाता के कन्वेंशन सेंटर पहुंच गए हैं। उन्होंने नए विधायकों से मुलाकात की। अमित शाह की अध्यक्षता में बैठक में सीएम के नाम को ऐलान होगा। कोलकाता ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, शाह समेत एनडीए के कई बड़े नेता शामिल होंगे। सुवेंदु ने सीएम ममता बनर्जी को भवानीपुर से हराया है। वे नंदीग्राम से भी लगातार दूसरी बार चुनाव जीते। यहां से 2021 में उन्होंने ममता को हराया था। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 207 सीटें जीती हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य प्रस्तावक बनेंगे।

अमेरिका ने सीजफायर तोड़ा,ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया-ईरान

तेहरान। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरान ने कहा कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरानी तेल टैंकरों को निशाना

बनाया। इसके बाद ईरान ने बिना किसी हिचकिचाहट के करारा जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक, खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा कि आक्रामक, आतंकवादी और समुद्री डाकू अमेरिकी सेना ने जास्क के पास ईरानी समुद्री इलाके से मुंज स्ट्रेट की ओर जा रहे एक तेल टैंकर को निशाना बनाया। साथ ही फुजैरा बंदरगाह के पास जलडमरूमध्य में दाखिल रहे दूसरे जहाज पर भी हमला किया गया। प्रवक्ता का दावा है कि कुछ क्षेत्रीय देशों के सहयोग से बंदर खामिर, सिरिक और क़ेश्म द्वीप के तटीय नागरिक इलाकों पर भी हवाई हमले किए गए। हालांकि, इन हमलों में हुए नुकसान या हताहतों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ईरान-अमेरिका के बीच 30 दिन के समझौते पर चर्चा- ईरान और अमेरिका के बीच एक अस्थायी समझौते पर बातचीत चल रही है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देश 30 दिन तक संघर्ष रोकने और हॉर्मुज जलडमरूमध्य को व्यावसायिक जहाजों के लिए फिर से खोलने के प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे हैं। रिपोर्ट में तीन सीनियर ईरानी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि यह एक पेज का प्रारंभिक फ्रेमवर्क है। इसके तहत दोनों पक्ष 30 दिन तक सैन्य कार्रवाई रोकेंगे और इसी दौरान स्थायी समझौते पर बातचीत जारी रखेंगे। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, बातचीत अभी जारी है और दोनों पक्ष लंबे समय के समझौते की भाषा और ढांचे पर प्रस्तावों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत में सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उच्च स्तर पर समृद्ध यूरेनियम के भंडार को लेकर है। अमेरिकी पक्ष चाहता है कि ईरान पहले ही इस पर स्पष्ट प्रतिबद्धता दे।

दावा- सुवेंदु के पीए को सुपारी देकर मरवाया,भाजपा विधायक बोले- मैंने कराहने की आवाज सुनी, दोबारा कॉल किया तो नहीं उठा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए

चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में नया दावा किया गया है। शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात सजिश के साथ हत्या की गई। पुलिस को शक है कि इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं। इस वारदात से बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद सियासी हिंसा का डर फिर लौट आया है। पुलिस के सीनियर अफसर के मुताबिक कई टीमें जांच में जुटी हैं। 3 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इधर, हत्या में इस्तेमाल की गई दूसरी बाइक भी बरामद कर ली गई है। यह बाइक गुरुवार रात बारासात में 11 नंबर रेल गेट इलाके के पास मिली। यह बाइक पहले दमदम इलाके से चोरी हुई थी। चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात 10.30 बजे गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 42 साल के चंद्रनाथ कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर जा रहे थे। हमलावर ने उन्हें सीने में दो और पेट में एक गोली मारी। 2013 में जब सुवेंदु तृणमूल में थे। तब उनके निजी सहायक प्रदीप झा की मौत हुई थी। हालांकि, जांचकर्ताओं ने मौत को सामान्य माना था। इसके बाद 2018 में उनके पीएसओ शुभव्रत चक्रवर्ती मृत मिले थे। पुलिस ने इसे आत्महत्या माना। इसके बाद 2021 में सुवेंदु के एक और पर्सनल असिस्टेंट पुलक हाजिड़ी की भी असामान्य परिस्थितियों में मौत हो गई थी। पीए हत्याकांड में अब तक के अपडेट्स-विधानसभा भंगः-सीएम पद से इस्तीफा देने से इनकार कर रहीं ममता बनर्जी को एक और झटका लगा है। राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग कर दी। इसका कार्यकाल 7 मई की रात खत्म हो रहा था। हमलावरों की कार-बाइक मिलीः पुलिस ने एक छोड़ी गई छोटी कार जब्त की, जिसकी नंबर प्लेट फर्जी निकली। कार का चेसिस और इंजन नंबर मिटाया गया था। हमले में दो बाइक शामिल थीं। इनमें से एक घटनास्थल से करीब 4 किमी दूर चाय की दुकान के पास मिली। उस पर भी फर्जी रजिस्ट्रेशन था।भाजपा विधायक शंकर घोष ने दावा किया कि जब चंद्रनाथ को गोली मारी गई उस वक्त वे उनके साथ फोन पर बात कर रहे थे। शंकर घोष बोले कि हम लोग आगामी शपथ ग्रहण की बात कर रहे थे। तभी फोन पर गोलियों की आवाज सुनाई दी। फिर किसी के कराहने की आवाज आई। इस बीच मेरा फोन कट गया। दोबारा कॉल किया तो नहीं उठा।

वेटिंग टिकट कन्फर्म होगा या नहीं अब एआई बताएगा,अगस्त से हाईटेक मॉड्यूल पर शिफ्ट होंगी ट्रेनें

नयी दिल्ली। भारतीय रेलवे अपने 40 साल पुराने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) को पूरी तरह बदलने जा रहा है। नया सिस्टम एआई की मदद से बताएगा कि वेटिंग टिकट कंफर्म होगा या नहीं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को अधिकारियों के साथ बैठक की और अगस्त से ट्रेनों को नए अपग्रेड सिस्टम पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए। वर्तमान रिजर्वेशन सिस्टम साल 1986 में शुरू हुआ था। पिछले 40 सालों में इसमें कई छोटे बदलाव किए गए, लेकिन अब इसे लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की मदद से पूरी तरह नया किया गया है, ताकि इसकी क्षमता बढ़ाई जा सके। जानिए नए सिस्टम और रेलवन एप से क्या फायदे होंगेः-सवाल 1: रेलवे अपने रिजर्वेशन सिस्टम में क्या बदलने जा रहा है? जवाबः रेलवे 40 साल पुराने रिजर्वेशन सिस्टम को अपग्रेड कर रहा है। अगस्त से ट्रेनों को पुराने सिस्टम से नए और एडवांस सिस्टम पर शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इसका मकसद बुकिंग क्षमता को बढ़ाना और अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना है। सवाल 2: रेल मंत्री ने अधिकारियों को क्या निर्देश दिए हैं? जवाबः रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि सिस्टम अपग्रेड करते समय यात्रियों को कोई असुविधा नहीं होनी चाहिए। वैष्णव ने शिफ्टिंग को स्मूथ और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया। सवाल 3: देश में ऑनलाइन टिकट बुकिंग का चलन कितना बढ़ा है? जवाबः रेलवे के मुताबिक, आज देश में कुल टिकटिंग डिमांड का लगभग 88% हिस्सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए पूरा होता है। 2002 में इंटरनेट टिकटिंग की शुरुआत एक बड़ा माइलस्टोन थी, जिसके बाद अब ज्यादातर लोग काउंटर के बजाय मोबाइल से टिकट बुक करना पसंद करते हैं। सवाल 4: रेल वन एप क्या है और यह कितना लोकप्रिय हो रहा है? जवाबः रेलवे का नया मोबाइल एप है, जिसे पिछले साल जुलाई में लॉन्च किया गया था। एक साल से भी कम समय में इसे 3.5 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। गूगल प्ले स्टोर से इसे 3.16 करोड़ और एप्पल के आईओएस से 33.17 लाख बार डाउनलोड किया गया है। सवाल 5: नए एप में वेटिंग लिस्ट प्रिडिक्शन की सटीकता कितनी है?जवाबः पहले वेटिंग टिकट कंफर्म होने की संभावना बताने की सटीकता केवल 53फीसदी थी, जो अब एआई-आधारित प्रिडिक्शन की मदद से बढ़कर 94फीसदी हो गई है। अब यात्री को टिकट बुक करते समय ही पता चल जाएगा कि उसकी सीट कंफर्म होगी या नहीं। सवाल 6: रेल वन एप पर रोजाना कितने टिकट बुक किए जा रहे हैं? जवाबः इस एप के जरिए रोजाना देश भर में 9.29 लाख टिकट बुक होते हैं। इनमें 7.2 लाख अनरिजर्व्ड (जनरल और प्लेटफॉर्म टिकट) और 2.09 लाख रिजर्व्ड टिकट शामिल हैं। सवाल 7: क्या इस एप से यात्रा के दौरान अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं? जवाबः हां, रेलवन एप एक 'ऑल-इन-वन' प्लेटफॉर्म है। इसमें टिकट बुकिंग, कैंसिलेशन और रिफंड के साथ-साथ लाइव ट्रेन स्टेटस, प्लेटफॉर्म नंबर, कोच पोजीशन और 'रेल मदद' जैसी सेवाएं शामिल हैं। यात्री इसी एप से खाना भी ऑर्डर कर सकते हैं, जो सीधे उनकी सीट पर पहुंचता है। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2024-25 में पैसेंजर टिकटों पर कुल 60,239 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी है। इसे आसान भाषा में समझें तो हर यात्री को किराए पर औसतन 43फीसदी का डिस्काउंट मिल रहा है। अगर रेलवे को एक यात्री को सेवा देने में 100 रुपए का खर्च आता है, तो वह बदले में यात्री से केवल 57 रुपए ही वसूलता है।

यूपी-बिहार में बारिश,एमपी में आंधी,राजस्थान में ओले गिरे,हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट,राजकोट देश में सबसे गर्म

लखनऊ। उत्तर और मध्य भारत में गर्मी के बीच बारिश का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार

में गुरुवार को बारिश हुई। वहीं बिहार और हिमाचल प्रदेश में ओले भी गिरे। बिहार के जमुई समेत 5 जिलों में तेज बारिश हुई। राजस्थान के अलवर, टोंक और कोटपूतली-बहरोड़ जिले में गुरुवार दोपहर बाद मौसम बदला और बारिश और ओलावृष्टि हुई। इस दौरान ओले भी गिरे। प्रदेश का तापमान 2डिग्री से 3डिग्री बढ़ सकता है। हिमाचल प्रदेश के शिमला, जुब्बरहट्टी, सुंदरनगर और कांगड़ा में बारिश हुई। कई जगहों पर बिजली भी गिरी। पिछले 24 घंटों में सिरमौर के सराहन में सबसे ज्यादा 20 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज राज्य के ऊपरी जिलों किन्नौर और मंडी में बर्फबारी और बारिश की संभावना है। 11 से 13 मई तक राज्य में येलो अलर्ट जारी किया गया है। यूपी में गुरुवार को बांदा, बिजनौर, शाहजहांपुर, कानपुर देहात और महोबा में तेज बारिश हुई। बिजनौर में सड़क पर सीसीटीवी के लिए लगाया गया टावर गिर गया, जिससे बिजली गुल हो गई। बाराबंकी में हाईवे पर फिसलन की वजह से दो डबल डेकर बसें, एक डीसीएम और कई अन्य गाड़ियां टकरा गईं। बस सवार बस्ती निवासी एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। गुजरात का राजकोट देश में सबसे गर्म रहा, यहाँ का तापमान 42.9डिग्री दर्ज किया गया।मध्य प्रदेश में पिछले 7 दिन से आंधी-बारिश का दौर है। आज भी ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी और टीकमगढ़ में बारिश और आंधी हुई। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत प्रदेश के 44 जिलों में गर्मी का असर भी रहेगा। उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। केदारनाथ में गुरुवार को ताजा बर्फबारी हुई। पिथौरागढ़ में 18 मिमी और बागेश्वर के सोंग में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई। आज के दिन का मौसम- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बारिश के साथ 30-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है।

शराब और बीयर 20फीसदी तक महंगी हो सकती है,ईरान जंग का असर,कंपनियों ने राज्यों से दाम बढ़ाने की मांग की

नयी दिल्ली। शराब बनाने वाली कंपनियों ने राज्य सरकारों से शराब, बीयर और वाइन की कीमतें बढ़ाने की मांग की है। कंपनियों का कहना है कि ईरान-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। इससे कांच की बोतलों, एल्युमीनियम कैन और पैकेजिंग मटेरियल की लागत काफी बढ़ गई हैं। शराब उद्योग की प्रमुख संस्थाओं कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज और ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने राज्यों को पत्र लिखकर कीमतों में बदलाव की अनुमति मांगी है। ब्रूअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने इनपुट कॉस्ट में बढ़ोतरी की भरपाई के लिए 15फीसदी-20फीसदी तक दाम बढ़ाने का सुझाव दिया है। 4 वजह से महंगी हुई शराब की पैकेजिंग- कांच की बोतलें इनकी कीमतों में करीब 20फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। पैकेजिंगः पेपर कार्टन (गत्ते के डिब्बे) के दाम लगभग 100फीसदी यानी दोगुने हो गए हैं। अन्य मटेरियलः एडहेसिव (गोंद), एलडीपीई, बीओपीपी जैसे जरूरी सामान 20-25फीसदी तक महंगे हुए। लॉजिस्टिक्सः माल ढुलाई (फ्रेट) और लॉजिस्टिक्स की लागत में 10फीसदी की बढ़ोतरी हुई। बीएआई में यूनाइटेड ब्रूअर्स, एबी

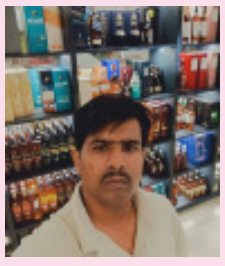

इनबेव और कारत्सबर्ग जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जिनकी देश के बीयर मार्केट में करीब 85फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनियों का कहना है कि मुनाफा लगातार कम हो रहा है और लागत इतनी बढ़ गई है कि ग्लास हब में गैस संकट से उत्पादन ठप-शराब की बोतलों की सप्लाई चेन पर सबसे बुरा असर फिरोजाबाद के ग्लास मैन्युफैक्चरिंग हब में पड़ा है। सीआईएबीसी के मुताबिक, गैस की कमी के कारण यहां फैक्ट्रियों को जरूरत की तुलना में केवल 60फीसदी गैस मिल पा रही है। इससे वेंडर्स को मजबूरन महंगी स्पॉट एलएनजी या एलपीजी खरीदनी पड़ रही है, जिससे बोतलों के दाम बढ़ गए हैं। कई यूनिट्स तो बंद होने की कगार पर हैं। एल्युमीनियम सप्लाई चेन टूटी, बीयर कैन की कमी का डर-बीयर इंडस्ट्री के लिए सबसे बड़ी चुनौती एल्युमीनियम की सप्लाई है। मिडिल ईस्ट से एल्युमीनियम की आवक बुरी तरह प्रभावित हुई है। सप्लायर्स ने चेतावनी दी है कि अगर तनाव लंबा चला तो बीयर कैन का उत्पादन पूरी तरह ठप हो सकता है और कई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स बंद करने पड़ सकते हैं। कंपनियों ने राहत के तौर पर टैक्स कटौती की मांग की-लागत के दबाव को कम करने के लिए कंपनियों ने राज्य सरकारों से 'अंतरिम राहत' भी मांगी है। बीआईए ने सुझाव दिया है कि मैन्युफैक्चरिंग लेवी में करीब रु3 से रु5 प्रति लीटर की कमी की जाए। इससे ग्राहकों पर पड़ने वाले बढ़ी कीमतों के बोझ को थोड़ा कम किया जा सकता है। सीआईएबीसी ने भी वाइन और अन्य शराब के 'एक्स-डिस्टिलरी प्राइस' में संशोधन की मांग की है।

दावा-मंत्री एके शर्मा से ऊर्जा विभाग लिया जा सकता है,यूपी में स्मार्ट मीटर के गुस्से का असर मंत्रिमंडल विस्तार में दिखेगा

लखनऊ। स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर यूपी सरकार ने ऐसे ही यू-टर्न नहीं लिया, बल्कि जनता के गुस्से ने ऐसा करने पर मजबूर कर दिया था। सरकार के खिलाफ माहौल बनने लगा था। संघ और भाजपा नेताओं ने सरकार को फीडबैक दिया कि जल्द ही प्रीपेड मीटर पर फैसला वापस नहीं गया, तो विधानसभा चुनाव में नुकसान हो सकता है। अब संघ और भाजपा के हाईलेवल सोर्स का दावा है कि जल्द होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा का विभाग बदला जा सकता है। उनकी जगह किसी और को ऊर्जा विभाग की कमान दी जा सकती है।1. बिना सहमति पोस्टपेड मीटर प्रीपेड में बदलेः यूपी में करीब 3.58 करोड़ घरेलू बिजली उपभोक्ता हैं। फरवरी, 2026 तक इनमें से 87 लाख घरों में स्मार्ट मीटर लगे थे। इनमें से 82 लाख स्मार्ट पोस्टपेड मीटर थे। इन्हें विभाग ने प्रीपेड मीटर में बदल दिया। यह काम जनवरी के महीने से ही शुरू किया। इसके बाद मार्च-अप्रैल से बिजली विभाग ने बकाए पर बिजली कनेक्शन काटने शुरू कर दिए। 2. एक साथ 5 लाख घरों की बिजली काटीः असली परेशानी इसके बाद शुरू हुई। विभाग ने एक साथ 5 लाख

से ज्यादा घरों की बिजली निगेटिव बैलेंस बताकर काट दी। रिचार्ज करवाने के बाद भी सप्लाई चालू नहीं हुई। लोगों ने हंगामा किया, तो विभाग ने सफाई दी कि तकनीकी दिक्कत से ऐसा हुआ।3. स्मार्ट मीटर को लेकर आशंकाएंः कई ऐसे वीडियो वायरल हुए, जिनमें दावा किया गया कि बिना बिजली कनेक्शन के भी स्मार्ट प्रीपेड मीटर में खपत दर्ज हो रही है। एक आम धारणा बन गई कि ये मीटर तेज चलते हैं। विभाग इस धारणा को खत्म नहीं कर पाया। 4. शिकायत के लिए कोई सिस्टम नहीं: लोगों की शिकायत थी कि बिजली बिल औसत से कई गुना ज्यादा आ रहा था। विभाग के पास शिकायत की सुनवाई के लिए कोई सिस्टम ही नहीं था। हेल्पलाइन 1912 पर की गईं शिकायतें बिना समाधान किए ही बंद कर दी गईं। 5. सोलर प्लांट के नेटमीटर हटाएः सोलर प्लेट लगवाने वाले उपभोक्ताओं के यहां लगे नेट मीटर तक बदलकर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा दिए गए। फिर सोलर से बनने वाली बिजली को बिना घटाए अपना भारी-भरकम बिल भेज दिया गया। प्रीपेड मीटर को लेकर लोगों के गुस्से को भाजपा समझ नहीं पाई। सपा समेत अन्य विपक्षी दल इसे मुद्दा भी नहीं बना पाए। इस वजह से जनता खुद ही एकजुट होकर विरोध-प्रदर्शन करने को मजबूर हो गई। उधर, भाजपा संगठन के पास ऊर्जा मंत्री एके शर्मा को लेकर विधायकों और भाजपा नेताओं का लगातार निगेटिव फीडबैक पहुंच रहा था। आगरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद जैसे जिलों के नेताओं ने साफ कर दिया था कि फैसला नहीं वापस लिया, तो चुनाव में यह मुद्दा भारी पड़ जाएगा।

हंतावायरस ग्रसित जहाज पर 2 भारतीय,डॉक्टर बोले- यह कोरोना की तरह तेजी से नहीं फैलता,लेकिन घातक अधिक,3 की मौत

प्राया। अटलांटिक माहासागर में क्रूज शिप एमवी हॉंडियस पर 2 भारतीय नागरिक शामिल हैं। यह वहीं क्रूज शिप हैं, जिस पर

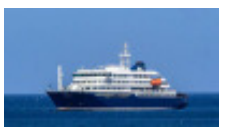

हंतावायरस फैला है।BBC के मुताबिक, अब तक जहाज पर हंतावायरस संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई है और तीन लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, नीदरलैंड के लीडेन यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में भर्ती हंतावायरस मरीज का इलाज कर रहीं डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा है कि यह वायरस कोरोना जैसा नहीं है। उन्होंने एएफपी से बातचीत में कहा कि हंतावायरस का इंसान से इंसान में फैलना आसान नहीं है। डॉक्टर के मुताबिक, इसका ट्रांसमिशन कोरोना की तुलना में काफी मुश्किल है। डच फ्लैग वाला यह जहाज स्पेन जा रहा है। यह 10 मई तक स्पेन के कैनेरनी आइलैंड तक पहुंच सकता है, जहां जहाज पर मौजूद सभी यात्रियों की जांच होगी। डब्लूएचओ ने कहा कि घटना गंभीर है, लेकिन फिलहाल आम लोगों के लिए खतरा कम माना जा रहा है। डॉक्टर करिन एलेन वेल्डकैंप ने कहा, ऐसे मामलों में संक्रमित मरीजों को अलग आइसोलेशन रूम में रखा जाता है। उनकी देखभाल अच्छी तरह ट्रेन्ड स्टाफ करता है और सख्त बीमारी नियंत्रण नियमों का पालन किया जाता है। उन्होंने बताया कि मरीजों को तब तक आइसोलेशन में रखा जाता है, जब तक उनमें लक्षण दिखाई देते हैं। हालत सुधरने के बाद उनका टेस्ट किया जाता है। अगर रिपोर्ट निगेटिव आती है, तो आइसोलेशन हटाया जा सकता है। डॉक्टर के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं है कि कोई व्यक्ति कितने समय तक वायरस अपने शरीर में रख सकता है। डब्लूएचओ प्रमुख ने कहा कि हंतावायरस का इंक्यूबेशन पीरियड छह हफ्ते तक हो सकता है। इसलिए आगे भी नए मामले सामने आने की आशंका बनी हुई है। डब्लूएचओ ने सेंट हेलेना में उतरने वाले यात्रियों के कारण 12 देशों को अलर्ट भेजा है। इनमें ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी और सिंगापुर शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनगणना-2027 के प्रथम चरण में भरा डिजिटल स्वगणना फार्म

हर प्रदेशवासी जनगणना में करे सहभागिता और अपनी सही जानकारी दे : केशव प्रसाद मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर डिजिटल माध्यम से स्वगणना फार्म भरकर प्रदेशवासियों से जनगणना में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की। उप मुख्यमंत्री ने 'हमारी जनगणना-हमारा विकास' के संकल्प के साथ प्रदेश में 7 मई से प्रारम्भ हुए मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य के तहत स्वयं डिजिटल फार्म भरते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक सही एवं प्रमाणिक जानकारी देकर इस महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में योगदान दे।उन्होंने कहा कि इस बार जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराई जाएगी। प्रथम चरण में भवनों एवं मकानों की गणना की जाएगी, जबकि द्वितीय चरण में प्रत्येक व्यक्ति की गणना संपादित होगी। आमजन को 21 मई 2026 तक स्वगणना का विकल्प उपलब्ध कराया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके पश्चात जनगणना कार्मिक घर-घर जाकर सूचीकरण का कार्य करेंगे।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सही जनगणना ही सर्वांगीण एवं सुनियोजित विकास का मजबूत आधार है। जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़ों के आधार पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की किरणें पहुंचाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संकल्प को धरातल पर उतारने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री जी की मंशा समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान, अवसर और सहभागिता प्रदान करना है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में देश में पहली बार डिजिटल जनगणना कराई जा रही है। डिजिटल तकनीक के उपयोग से जनगणना प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और त्वरित बनाया गया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से जनगणना में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की।

इस अवसर पर जनगणना कार्य, उत्तर प्रदेश की निदेशक श्रीमती शीतल वर्मा ने उप मुख्यमंत्री को 'भारत की जनगणना' विषयक स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा जनगणना के प्रति लोगों को जागरूक, प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने हेतु उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्यों के सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु दोनों चरणों के लिए कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है।

प्रदेश में गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन एवं प्रसंस्करण की अपार संभावनाएं-केशव प्रसाद मौर्य

न्यूजीलैंड की आधुनिक तकनीक से प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को मिलेगा लाभ, निर्यात को भी मिलेगा बढ़ावा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य से शुक्रवार को न्यूजीलैंड के शहद उत्पादन एवं प्रसंस्करण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट कर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त शहद उत्पादन, प्रसंस्करण तथा तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व श्री बी.एल. मीणा, अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने किया। प्रतिनिधिमंडल में न्यूजीलैंड के ईशान जयवर्धने (व्यापार कार्यान्वयन), मेलानी फिलिप्स (कृषि सलाहकार), बायरन टेलर (तकनीकी सलाहकार, मधुमक्खी पालन), प्रियम अरोड़ा (कृषि भागीदारी प्रबंधक, न्यूजीलैंड उच्चायोग), संदीप साहा (एपीडा क्षेत्रीय प्रमुख, उत्तर-पूर्व एवं लद्दाख) तथा श्री निमित सिंह 'मधुमखीवाला', बाराबंकी शामिल रहे।प्रतिनिधिमंडल द्वारा अवगत कराया गया कि न्यूजीलैंड में उच्च गुणवत्ता वाले शहद के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं रोग नियंत्रण की आधुनिक तकनीक विकसित की गई है, जिसे उत्तर प्रदेश के मधुमक्खी पालकों तक प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान रायबरेली एवं बाराबंकी जनपदों का भ्रमण कर स्थानीय मधुमक्खी पालकों से संवाद स्थापित किया गया तथा प्रदेश में शहद उत्पादन की व्यापक संभावनाओं का अध्ययन किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत एवं न्यूजीलैंड के मध्य हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से दोनों देशों के बीच व्यापारिक एवं तकनीकी सहयोग को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड की उन्नत तकनीक एवं अनुभव का लाभ प्रदेश के मधुमक्खी पालकों को प्रदान कर गुणवत्तायुक्त एवं निर्यातोन्मुख शहद उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा, इससे प्रदेशवासियों को स्वास्थ्यवर्धक शहद उपलब्ध होने के साथ-साथ मधुमक्खी पालकों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। श्री मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषकों को अतिरिक्त आय के साधन उपलब्ध कराने के लिए मधुमक्खी पालन को एक सशक्त व्यवसाय के रूप में विकसित करने हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग द्वारा न्यूजीलैंड की नवीन तकनीकों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों एवं उद्यमियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री जी को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाएं भी दीं तथा भेंट के लिए आभार व्यक्त किया। टीम लीडर द्वारा यह भी जानकारी दी गई कि न्यूजीलैंड ने शहद आधारित चॉकलेट टॉफी एवं अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों के आधुनिक उत्पादन में विशेष दक्षता प्राप्त की है, जिसकी तकनीक एवं अनुभव उत्तर प्रदेश सरकार के साथ साझा किए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारियों एवं शहद उत्पादन से जुड़े उद्यमियों को विशेष प्रशिक्षण हेतु न्यूजीलैंड भेजने की कार्ययोजना तैयार की जाए।उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर वह स्वयं भी प्रतिनिधिमंडल के साथ न्यूजीलैंड एवं यूरोप का भ्रमण कर तकनीकी सहयोग को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे। बैठक के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में अपर मुख्य सचिव श्री बी एल मीणा व विभागीय अधिकारियों के साथ रणनीतिक चर्चा की तथा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से न्यूजीलैंड में शहद उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, रोग प्रबंधन एवं प्रसंस्करण की आधुनिक प्रणालियों की विस्तृत जानकारी साझा की।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

डीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर का किया निरीक्षण,व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित विभिन्न कार्यालयों के पटलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों में पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई एवं आमजन की सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु एवं व्यवस्थित रखी जाएं। उन्होंने पेयजल की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने, परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा कार्यालयों में कार्यों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न पटलों पर अभिलेखों के रख-रखाव एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप आमजन को बेहतर एवं सुगम प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह सहित संबंधित अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहें।

बड़े मंगल पर डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा का ताबड़तोड़ निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)लखनऊ। बड़े मंगल के पावन अवसर पर डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए लगातार निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने थाना बीबीडी, चिनहट थाना और गाजीपुर क्षेत्र के भूतनाथ बाजार का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने पुलिस बल को सतर्क रहते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान एडीसीपी पूर्वी भी मौके पर मौजूद रहे-भूतनाथ चौकी क्षेत्र में चल रहे भंडारे और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए,भूतनाथ चौकी प्रभारी सुशील कुमार अपनी टीम के साथ सक्रिय दिखे-पुलिस अधिकारियों की सक्रियता के चलते पूरे इलाके में कानून व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में श्रद्धालु जहां-जगह भंडारे का उठा रहे हैं लुत्फ़ वही प्रशाद देने वाले भी उत्साहित रहें।

10 दिवसीय वुडवर्क (काष्ठकला) ट्रेड में प्रशिक्षण हेतु करे ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। उपयुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया है कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ओ0डी0ओ0पी0 प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजनान्तर्गत जनपद में वुडवर्क (काष्ठकला) ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु आवेदन-पत्र। ऑनलाइन वेबसाइट https://diupmsme.gov.in पर आमंत्रित किये जा रहे हैं। आवेदक की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो तथा आवेदक वुडवर्क के क्षेत्र में कार्य करता हो। चयनोपरान्त लाभार्थी को 10 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण तथा टूलकिट प्रदान किया जायेगा। उन्होंने योजनान्तर्गत पात्रता के बारे में बताया है कि आवेदन करने की तिथि को प्रशिक्षार्थी की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। प्रशिक्षार्थी को उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए। शैक्षिक योग्यता की कोई बाध्यता नहीं है।आवेदक द्वारा भारत अथवा प्रदेश सरकार की अन्य किसी योजनान्तर्गत उत्पाद से सम्बन्धित टूलकिट का लाभ विगत 2 वर्षों में न प्राप्त किया हो। आवेदक अथवा उसके परिवार के किसी संदस्य को योजनान्तर्गत केवल एक बार ही लाभान्वित किया जायेगा। परिवार का आशय पति एवं पत्नी से है।आवेदक द्वारा पात्रता की शर्तों को पूर्ण किये जाने के सम्बंध में घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने बताया है कि विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सिविल लाइन्स, रायबरेली से सम्पर्क किया जा सकता है।

क्षेत्र पंचायत अमावां की सामान्य बैठक संपन्न,विधायक सदर व प्रमुख अमावां द्वारा क्षेत्र पंचायत अमावां के 16 कार्यों का किया लोकार्पण

मा0 विधायक सदर व मा0 प्रमुख अमावां द्वारा ट्राई साइकिल की गई वितरित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विकास खण्ड अमावां

सभागार में पूर्व निर्गत एजेण्डे के क्रम में क्षेत्र पंचायत अमावां की सामान्य बैठक मा0 विधायक सदर अदिति सिंह व मा0 प्रमुख क्षेत्र पंचायत अमावां वैशाली सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में की गई। बैठक में क्षेत्र पंचायत अमावां द्वारा कराये गये 16 कार्यों का लोकार्पण मा0 विधायक सदर व मा0 प्रमुख अमावां द्वारा किया गया। बैठक का कोरम पूर्ण रहा। बैठक के दौरान गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि सहित विभिन्न विभागों के खण्ड स्तरीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों के विषय में सदन के सदस्यों को अवगत कराया

गया। मा0 प्रमुख ने अपने सम्बोधन के दौरान समस्त विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों से आमजन की समस्याओं के त्वारित निस्तारण व गांव में चौपाल लगाकर गांव की समस्याओं को गांव में ही निस्तारित कराने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान ग्राम प्रधानों ने जल जीवन मिशन अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यों तथा ग्राम पंचायत में जल जीवन मिशन के कार्य कराये जाने दौरान खराब सडकों का सत्यापन कराकर उच्चाधिकारियों को प्रेषित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक के दौरान सदस्यों द्वारा नये कार्यों हेतु प्रस्ताव भी उपलब्ध करयाा गया। बैठक के पश्चात मा0 विधायक सदर व मा0 प्रमुख अमावां द्वारा ट्राई साइकिल भी वितरित की गयी। मा0 विधायक सदर विकास खण्ड से संचालित योजनाओं के ग्राम पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार तथा इन योजनाओं को ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत भवन के माध्यम से संचालित कराने के कार्य में तीव्रता लाने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी (पं0), अवर अभियन्ता (लघु सिंचाई एवं ग्रा0अभि0वि0), क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, समस्त ग्राम पंचायत सचिव, प्रधान संघ अध्यक्ष अमावां, एवं पूर्व प्रमुख क्षेत्र पंचायत अमावां आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने ग्राम पंचायत भीख एवं जगतपुर का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) 2.0 अन्तर्गत विकास खण्ड-जगतपुर की ग्राम पंचायत-भीख में निर्मित प्लास्टिक वेस्ट अपशिष्ट प्रबन्धन केन्द्र एवं ग्राम पंचायत-जगतपुर में निर्मित ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन केन्द्र, आर0आर0सी0, कम्पोस्ट पिट तथा फिल्टर चैम्बर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह एवं खंड विकास अधिकारी प्रवीण कुमार त्रिपाठी को रोस्टर बनाकर प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्रित करने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए साथ ही अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग को प्लास्टिक अपशिष्ट केन्द्रों से प्राप्त प्लास्टिक को सड़क निर्माण के कार्यों में उपयोग किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।जिलाधिकारी ने पंचायत राज विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने समस्त प्लास्टिक अपशिष्ट केंद्रों पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को तत्काल शासन को प्रस्ताव भेजने हेतु निर्देशित किया भी निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप गांवों में स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण बनाए रखने हेतु सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान जिला सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राहुल सिंह, प्रेरित कटियार, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अनिल कुमार एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

09 एवं 10 मई को होगी प्रवक्ता संवर्ग भर्ती परीक्षा, 624 पदों के लिए 4.64 लाख से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

17 जनपदों के 319 परीक्षा केंद्रों पर पूरी हुई तैयारियां, एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी में होगी परीक्षा

प्रयागराज/लखनऊ। उ0प्र0 शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा विज्ञापन संख्या 02/2022 के अंतर्गत प्रवक्ता संवर्ग के 18 विषयों के कुल 624 पदों हेतु लिखित परीक्षा का आयोजन 09 एवं 10 मई 2026 को किया जाएगा। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी, जिसमें कुल 4,64,605 पंजीकृत अभ्यर्थी प्रतिभाग करेंगे। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने 17 जनपदों के 319 परीक्षा केंद्रों की तैयारियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा संबंधी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा केंद्रों के सभी कक्षों एवं महत्वपूर्ण स्थलों को एआई आधारित सीसीटीवी कैमरों से आच्छादित कर जिला कंट्रोल रूम तथा आयोग के अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड रूम से जोड़ा गया है। आयोग द्वारा सभी केंद्रों की कनेक्टिविटी का सफल परीक्षण भी कर लिया गया है। आयोग की ओर से परीक्षा के सघन अनुश्रवण के लिए प्रत्येक जनपद में एक-एक प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं निगरानी टीमें लगातार परीक्षा केंद्रों का भ्रमण करेंगी। परीक्षा केंद्रों के आसपास निषेधाज्ञा लागू रहेगी तथा पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित करने वाले व्यक्तियों एवं नकल माफियाओं के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 09 मई को प्रथम पाली में भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, इतिहास एवं शिक्षाशास्त्र सहित 06 विषयों तथा द्वितीय पाली में अंग्रेजी, कृषि, वाणिज्य एवं समाजशास्त्र सहित 04 विषयों की परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं 10 मई को प्रथम पाली में नागरिक शास्त्र, गणित, अर्थशास्त्र, संस्कृत एवं मनोविज्ञान सहित 05 विषयों तथा द्वितीय पाली में रसायन विज्ञान, भूगोल, हिन्दी एवं कला सहित 04 विषयों की परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन सहित किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। साथ ही एआई तकनीक की सहायता से ऐसे संदिग्ध अभ्यर्थियों की पहचान की गई है, जिन्होंने एक ही नाम से अलग-अलग फोटो के साथ अथवा एक ही फोटो के साथ अलग-अलग नामों से आवेदन किया है। ऐसे परीक्षार्थियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोग द्वारा अभिनव प्रयोग के रूप में लखनऊ मंडल के 10 परीक्षा केंद्रों पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत प्रत्येक पाली की परीक्षा समाप्त होने के तुरंत बाद अभ्यर्थियों द्वारा प्रयुक्त ओएमआर उत्तर पत्रकों की स्कैनिंग परीक्षा कक्ष में ही कक्ष निरीक्षकों एवं परीक्षार्थियों की उपस्थिति में की जाएगी। स्कैन डाटा को तत्काल सुरक्षित किया जाएगा, जिसका आवश्यकता पड़ने पर मूल ओएमआर से मिलान किया जा सकेगा।

जिलाधिकारी और पुलिस अधिकारी करेंगे परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण, परीक्षा केंद्रों के आसपास लागू रहेगी निषेधाज्ञा

लखनऊ मंडल के 10 केंद्रों पर शुरू होगा ओएमआर स्कैनिंग का पायलट प्रोजेक्ट
पारदर्शिता और शुचिता बढ़ाने के लिए अभिनव प्रयोग, परीक्षा कक्ष में ही होगी ओएमआर उत्तर पत्रकों की स्कैनिंग
अभ्यर्थी समय से परीक्षा केंद्र पहुंचे और निर्देशों का पालन करें : अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार
अफवाहों से बचें, आयोग की वेबसाइट और आधिकारिक एक्स हैंडल पर करें भरोसा
आयोग निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा कराने के लिए प्रतिबद्ध : डॉ. प्रशांत कुमार

आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने सभी अभ्यर्थियों से समय से परीक्षा केंद्र पर पहुंचने एवं प्रवेश पत्र में अंकित निर्देशों का अक्षरशः पालन करने की अपील की है। उन्होंने अभ्यर्थियों से किसी भी अफवाह अथवा भ्रामक सूचना से बचने तथा आयोग की वेबसाइट UPESSC Official Website एवं आधिकारिक एक्स हैंडल UPESSC X Handle पर उपलब्ध सूचनाओं पर ही भरोसा करने को कहा। आयोग ने स्पष्ट किया कि परीक्षा को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने वाले अनुचित साधनों के प्रयोग पर उ0प्र0 सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दी ।

अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित, बच्चों को दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

जूनियर हाई स्कूल लोझरा में हिंडालको ग्रामीण विकास विभाग की पहल, संयम और सतर्कता पर जोर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अनपरा/रेनुसागर। हिंडालको इंडस्ट्रीज लिमिटेड रेनुसागर के

यूनिट हेड आर पी सिंह के मार्गदर्शन एवं हेड एचआर आशीष पांडेय के दिशा निर्देशन में हिंडालको रेनुसागर ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में जूनियर हाई स्कूल लोझरा के प्रांगण में अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव, सतर्कता एवं आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित तरीके से कार्य करने के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में अग्निशमन विशेषज्ञ राकेश कुमार एवं रविशंकर तिवारी द्वारा आग लगने के कारण, प्राथमिक सुरक्षा उपाय, अग्निशामक यंत्रों के उपयोग तथा आपदा के समय अपनाई जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यार्थियों को आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय संयमित रहकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचने, विद्युत उपकरणों के सुरक्षित उपयोग तथा गैस एवं ज्वलनशील पदार्थों के प्रति सतर्क रहने के बारे में बताया गया। साथ ही अग्निशमन उपकरणों के प्रयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन कर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।विद्यालय प्रधानाचार्य आनन्द द्विवेदी, प्रवीण श्रीवास्तव एवं सुनील जायसवाल ने संयुक्त रूप से हिंडालको रेनुसागर द्वारा आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी पहल बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी संजीव श्रीवास्तव, अधिकारी आर एन यादव, शिवम पाठक उपस्थित रहे।

आईजीआरएस निस्तारण में सोनभद्र पुलिस प्रदेश में अव्वल, 22 में से 20 थानों को मिले 100 में 100 अंक

एसपी अभिषेक वर्मा के नेतृत्व में अप्रैल-2026 में त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, मिली पहली रैंक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक

वर्मा के कुशल निर्देशन में उत्तर प्रदेश शासन के आईजीआरएस पोर्टल पर माह अप्रैल-2026 में प्राप्त जन शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर सोनभद्र पुलिस ने प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। जिले को 100 में से 100 अंक मिले। शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के लिए अधिकारियों द्वारा आईजीआरएस पोर्टल की नियमित समीक्षा की गई। निस्तारण में आ रही कमियों को चिन्हित कर सुधार कराया गया। आईजीआरएस सेल में नियुक्त पुलिसकर्मियों को बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहित किया गया। शासन की मंशा के अनुरूप हर शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हुआ। जनपद के 22 थानों में से 20 थानों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 में से 100 अंक प्राप्त किए। थाना रायपुर को 98 और थाना हाथीनाला को 99 अंक मिले। प्रथम स्थान पाने वाले थाने: चोपन, दुद्धी, करमा, बभनी, अनपरा, पिपरी, म्योरपुर, जुगैल, शाहगंज, विण्ढमगंज, शक्तिनगर, रामपुर बरकोनिया, मांची, महिला थाना, ओबरा, पन्नूगंज, घोरावल, रॉबर्ट्सगंज, कोन और बीजपुर। इन सभी ने 100 में 100 अंक हासिल किए। यह उपलब्धि सोनभद्र पुलिस की जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता, त्वरित कार्यवाही एवं प्रभावी शिकायत निस्तारण प्रणाली को दर्शाती है।

डीएम चर्चित गौड़ की अपीलः 7 से 21 मई तक करें स्व-गणना, जनगणना पोर्टल पर दर्ज करें सूचनाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद के सभी नागरिकों से 7

मई से 21 मई 2026 तक चलने वाली स्व-गणना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नागरिक स्वयं जनगणना पोर्टल https://se.census.gov.in पर अपनी सूचनाएं दर्ज करें और परिवार व परिचितों को भी इसके लिए प्रेरित करें। डीएम ने बताया कि भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का संचालन उत्तर प्रदेश में 22 मई से 20 जून 2026 तक होगा। इससे पूर्व 15 दिन की अवधि के लिए 7 मई से 21 मई तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।जिलाधिकारी ने कहा कि स्व-गणना एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल है। इसके जरिए परिवार स्वयं ही पोर्टल पर सूचनाएं दर्ज कर सकते हैं। स्व-गणना अवधि के दौरान विभिन्न वर्गों तक लक्षित पहुंच के लिए दिवसवार विषयगत रणनीति भी तय की गई है। उन्होंने अपील की कि जनगणना की वेबसाइट पर जाकर सभी नागरिक अपनी सूचना भर दें। इससे फायदा यह होगा कि जब जनगणना की टीम सत्यापन के लिए पहुंचेगी तो प्रक्रिया सुलभ होगी। डीएम ने नागरिकों से स्वगणना के कार्य में लगे सभी प्रशासनिक अधिकारियों का भरपूर सहयोग करने और इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया।

सोनभद्र- ' मानव बंधुत्व ' थीम पर विश्व रेड क्रॉस दिवस संपन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रेड क्रॉस दिवस पर, रेड

क्रॉस के संस्थापक सर जीन हेनरी ड्यूनांट के जन्म दिवस के अवसर पर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय सभागार में 'मानव बंधुत्व' थीम पर विशेष रेड क्रॉस दिवस संपन्न हुआ। इस अवसर पर साखा के सदस्यों द्वारा गोद लिए गए 35 टीबी रोगियों एवं 5 कुष्ठ रोगियों को पोषक पोटली, पौधे व राहत सामग्री देकर दवा का कोर्स पूरा करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इसी क्रम में, रेड क्रॉस सदस्य दिलीप कुमार दूबे द्वारा रेनूकूट, ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड में रक्तदान शिविर आयोजित कर 25 यूनिट रक्त राजकीय मेडिकल कालेज को उपलब्ध कराया।शाखा के चेयरमैन डॉ. आर. एस. सिंह ने जानकारी दी कि जल्द ही रेड क्रॉस भवन का निर्माण कराया जाएगा जिससे और अधिक जरूरतमंदों को रेड क्रॉस के मानवीय कार्यों को पहुँचाया जा सकेगा । इस कार्यक्रम में वाइस चेयरमैन विमल अग्रवाल, सचिव डॉ. टी. पी. सिंह, कोषाध्यक्ष किशोरी सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जी. एस. यादव व उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी व सरकारी सचिव डॉ. सुमन कुमार उपस्थित रहे।

बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत अब स्मार्ट प्रीपेड मीटर होंगे पोस्टपेड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित

गौड़ ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने बिजली उपभोक्ताओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आर.डी.एस.एस. आरडीएसएस योजना के तहत लगे सभी स्मार्ट प्रीपेड मीटरों को पोस्टपेड मोड में बदलने का आदेश जारी किया है। प्रबन्ध निदेशक उ.प्र. पाकालि0 के निर्देशानुसार अब उपभोक्ताओं को पहले बिजली इस्तेमाल करने और बाद में भुगतान करने की सुविधा मिलेगी। प्रीपेड से पोस्टपेड का बदलाव मुख्यालय स्तर से आरएमएस बैकएंड के जरिए किया जाएगा, जिसके लिए उपभोक्ताओं को कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। डिजिटल बिलिंग माह मई-2026 का बिल जून में पोस्टपेड पद्धति से जारी होगा। उपभोक्ताओं को उनके बिल एसएमएस और व्हाट्सएप के माध्यम से सीधे मोबाइल पर प्राप्त होंगे। निश्चित समय सीमारू विभाग द्वारा हर महीने की 10 तारीख तक बिल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। यदि नेटवर्क समस्या के कारण ऑटोमैटिक रीडिंग नहीं आती है, तो कर्मचारी घर आकर मैनुअल रीडिंग लेंगे।नए कनेक्शन अब से सभी नए बिजली कनेक्शन केवल स्मार्ट पोस्टपेड मोड में ही जारी किए जाएंगे। बकाया भुगतान और किस्तों की सुविधारू उपभोक्ताओं को आर्थिक बोझ से बचाने के लिए विभाग ने किस्तों की विशेष व्यवस्था की है घरेलू उपभोक्ता 30 अप्रैल 2026 तक के पुराने बकाये को 10 आसान किस्तों में जमा कर सकेंगे। सिक्युरिटी राशि पूर्व में जमा की गई सिक्युरिटी धनराशि को जून से अगले 4 महीनों के बिलों में वापस समायोजित किया जाएगा। नियमों के अनुसार, बिल जारी होने के बाद भुगतान के लिए 15 दिन का समय मिलेगा। उपभोक्ताओं की सहायता और शिकायतों के समाधान के लिए विभाग द्वारा 'विशेष कैंपों' का आयोजन भी किया जाएगा।

थाना दुद्धी पुलिस द्वारा अलग-अलग मुकदमें में वांछित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक

सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक दुद्धी के नेतृत्व में दुद्धी पुलिस टीम को 02 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दुद्धी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए मु0नं0-1662/24 धारा 60 आबकारी अधिनियम में वांछित अभियुक्त अवधेश राम उर्फ रामअवधेश पुत्र महावीर राम निवासी ग्राम कुर्ची थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र तथा मु0नं0-399/22 धारा 323/504 भादवि में वांछित अभियुक्त कृष्ण पुत्र शंकर निवासी ग्राम नौडिहा थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर मा0 न्यायालय भेजा गया।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम-1. उ0नि0 जयशंकर राय, चौकी अमवार थाना दुद्धी, 2. उ0नि0 श्यामानन्द, थाना दुद्धी, 3. उ0नि0 राजेश पाण्डेय, थाना दुद्धी, 4. आरक्षी अरविन्द यादव, चौकी अमवार थाना दुद्धी।

माह मई 2026 हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में किया गया परिवर्तन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ने अवगत कराया है कि माह मई 2026 हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा

अधिनियम-2013 के अन्तर्गत गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। ध्रुव गुप्ता अपर आयुक्त महोदय के उपर्युक्त निर्देश के अनुपालन में जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को संसूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 योजनान्तर्गत माह मई 2026 के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति कार्ड वर्तमान में गेहूं की मात्रा 10 किग्रा, चावल का मात्रा 25 किग्रा0 है। इसी प्रकार से पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति यूनिट गेहूँ वर्तमान में 01 किग्रा0 तथा चावल का मात्रा वर्तमान में मात्रा 04 किग्रा0 निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि दृष्टिगत जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत पात्रता सूची में सम्मिलित समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्ड धारको को सूचित किया जाता है कि माह फरवरी 2026 हेतु अन्त्योदय योजना वेा कार्डधारक प्रति कार्ड 35 किग्रा0 चावल एवं 10 किग्रा0 गेहूँ तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारक प्रति यूनिट 04 किग्रा0 चावल एवं 01 किग्रा0 गेहूँ संबंधित उचित दर की दुकान से निःशुल्क प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उक्त निःशुल्क वितरण में हो रही किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में जिला पूर्ति कार्यालय अथवा संबंधित उपजिलाधिकारी कार्यालय या विभागीय टोल फ्री नम्बर 1800-1800-150 पर की जा सकती है। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि वह माह मई 2026 के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण करना सुनिश्चित करें। वितरण में प्राप्त किसी भी प्रकार की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

संभावित सूखे से निपटने हेतु प्रशासन पूरी तरह सतर्क, सभी विभाग समय से पूर्ण करें तैयारियां-मुख्य विकास अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ के निर्देशन में आज कलेक्ट्रेट सभागार में संभावित सूखे की स्थिति से प्रभावीढंग से निपटने एवं सूखा

राहत कार्य योजना तैयार किए जाने के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक के दौरान कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सूखा राहत योजना से जुड़े सभी विभाग अपनी तैयारियां समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण कर लें, जिससे जनपद में किसी भी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर तत्काल राहत उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशित किया कि तालाबों, पोखरों एवं अन्य जल स्रोतों में पर्याप्त मात्रा में पानी भरने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी समय रहते तैयार कर ली जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी एवं दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जाए। चिकित्सा केंद्रों पर आवश्यक दवाओं, ओआरएस, पेयजल जांच किट एवं अन्य जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो सकें। बैठक में सिंचाई विभाग को निर्देशित किया गया कि नहरों के संचालन के दौरान जल आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रखी जाए तथा आवश्यकता अनुसार तालाबों एवं जलाशयों में पानी पहुंचाने की कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे किसानों को सिंचाई संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए तथा गर्मी के मौसम में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। बैठक में सभी संबंधित विभागों वेा जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एल-2 हॉस्पिटल में वेतन न मिलने पर सुपरवाइजर ने सफाई कर्मी को दी गाली, काम ठप

प्रभारी अवनीश शाह के समझाने पर लौटे कर्मचारी, जिला अस्पताल में आया एसएमसी का वेतन

सोनभद्र। शुक्रवार को स्वशासी राज्य चिकित्सा

महाविद्यालय हॉस्पिटल सोनभद्र वेा एल-2 में सफाई कर्मी एसएमसी का वेतन न आने तथा जिला संयुक्त चिकित्सालय में एसएमसी सफाई कर्मचारी का वेतन आ जाने के कारण विवाद हो गया। सफाई कर्मी दिनेश ने मोबाइल नंबर के जरिए अपने हेड सुपरवाइजर देवमणि ओझा को कॉल कर वेतन न आने का कारण पूछा। आरोप है कि इस पर सुपरवाइजर द्वारा सफाई कर्मी को मां-बहन की गालियां दी गईं। बात सामने आने के बाद नाराज सफाई कर्मियों ने सफाई का कार्य छोड़ दिया। एल2 हॉस्पिटल के प्रभारी अवनीश शाह द्वारा समझाए जाने के बाद सफाई कर्मी काम पर वापस लौटे। कर्मचारियों का कहना है कि जिला अस्पताल के एसएमसी सफाई कर्मियों का वेतन आ गया है, जबकि एल2 में तैनात कर्मियों का वेतन अब तक नहीं आया है। इस भेदभाव से कर्मचारियों में रोष है। मामले को लेकर कर्मचारियों ने उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप कर वेतन भुगतान और दुर्व्यवहार पर कार्रवाई की मांग की है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

प्रिंस ने कोहली को जीरो पर आउट किया,पंत के हाथ से बल्ला छूटा, मार्श ने लखनऊ के लिए सबसे तेज शतक जड़ा-मोमेंट्स-रिकॉर्ड्स

लखनऊ। आईपीएल में गुरुवार को खेले गए मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 9 रन से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में मिचेल मार्श ने लखनऊ के लिए सबसे तेज शतक जड़ा। वहीं, युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने विराट कोहली को शून्य पर बोल्ड कर झटका दिया। मैच के दौरान ऋषभ पंत के हाथ से बल्ला छूटने वाला मजेदार पल भी देखने को मिला। आइए जानते हैं मैच के खास मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स। लखनऊ-बेंगलुरु मैच के टॉप मोमेंट्स-1. मार्श के छक्के से कैमरामैन के सिर पर लगी बॉल- लखनऊ की पारी के दूसरे ओवर में मिचेल मार्श ने जोश हेजलवुड की बॉल पर दो छक्के लगाए। उनका दूसरा छक्का बाउंड्री पर मौजूद कैमरामैन के सिर पर जा लगा। हालांकि, चोट ज्यादा नहीं लगी। 2. बारिश के कारण मैच तीन बार रुका-पहली पारी के दौरान बारिश के कारण तीन बार मैच रोकना पड़ा। पहली बार दूसरे ओवर में बारिश आई और मैच करीब 10 मिनट तक रुका रहा। इसके बाद 9वें ओवर के बाद लखनऊ में फिर बारिश आ गई और खेल रोकना पड़ा। 14वें ओवर के बाद फिर बारिश शुरू हो गई और मैच करीब आधे घंटे तक रुका रहा। 3. पंत के हाथ से बल्ला छूटा, चौका भी मिला-17वें ओवर की तीसरी बॉल पर ऋषभ पंत के हाथ से बल्ला छूट गया। हालांकि, इस बॉल पर उन्हें चौका मिल गया। हेजलवुड की यॉर्कर ऑफ स्टंप के बाहर थी, जिस पर पंत ने जोरदार शॉट खेला। गेंद पॉइंट की ओर चौके के लिए गई, लेकिन शॉट के दौरान उनका बल्ला हाथ से छूटकर लेग साइड में जा गिरा। 4. पंत को जीवनदान, कैच छूटा, बेथेल की उंगली में चोट लगी-17वें ओवर की 5वीं बॉल पर ऋषभ पंत को जीवनदान मिला। जोश हेजलवुड की लो फुल टॉस गेंद पर पंत ने शॉट खेला और गेंद डीप मिडविकेट की ओर गई। बाउंड्री से दौड़ते हुए बेथेल ने कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन कैच छूट गया। इस दौरान उनकी उंगली चोटिल हो गई और खून निकलने लगा। चोट के बाद उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। 5. कोहली को प्रिंस यादव ने बोल्ड किया-दूसरी पारी के दौरान बेंगलुरु ने दूसरे ओवर में दूसरा विकेट गंवाया। विराट कोहली जीरो पर आउट हुए। उन्हें प्रिंस यादव ने बोल्ड किया। करीब 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार की गेंद गुड लेंथ पर ऑफ स्टंप के बाहर पिच हुई। कोहली आगे बढ़कर खेलने गए, लेकिन गेंद अंदर आई और सीधे ऑफ स्टंप से टकराकर स्टंप उखाड़ गई। 6. पाटीदार की छक्के से फिफ्टी-10वें ओवर में कप्तान रजत पाटीदार ने छक्के से फिफ्टी पूरी की। उन्होंने मयंक यादव की दूसरी बॉल पर डीप बैकवर्ड स्क्वैयर लेग के ऊपर छक्का लगाया। अगली बॉल पर उन्होंने 101 मीटर का छक्का जड़ा। यहां से टॉप रिकॉर्ड्स पढ़िए- 1. मार्श ने लखनऊ के लिए सबसे तेज शतक लगाया- लखनऊ के बल्लेबाज मिचेल मार्श ने बेंगलुरु के खिलाफ मैच में टीम के लिए सबसे तेज शतक लगाया। उन्होंने गुरुवार को इकाना स्टेडियम में सिर्फ 49 गेंदों में सेंचुरी पूरी की। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऋषभ पंत के नाम था। उन्होंने पिछले साल 54 गेंदों में शतक लगाया था। 2. भुवनेश्वर 200 आईपीएल मैच खेलने वाले पहले पेसर-बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार 200 आईपीएल मैच खेलने वाले पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने लखनऊ के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। भुवनेश्वर 200 मैच खेलने वाले कुल 12वें खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले 5 अप्रैल को वे युजवेंद्र चहल के बाद आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले दूसरे और पहले तेज गेंदबाज बने थे।

पतली गलियों में हॉकी का मैदान बना उम्मीद का सहारा,दो भाइयों की एकेडमी, खेल के सहारे जरूरतमंद बच्चों की जिंदगी को नई दिशा

कोलकाता। कोलकाता की उमस भरी सुबह, घड़ी में सात बज रहे हैं। सियालदह स्टेशन के बाहर रोज की तरह भीड़ भाग रही है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव की वजह से दीवारों से लेकर बिजली के खंभों तक नेताओं के चेहरे रंगे हुए हैं, लेकिन डॉ. सुरेश सरकार रोड से तीसरी गली में मुड़ते ही माहौल अचानक बदल जाता है। यहां सिर्फ हॉकी स्टिक की 'टक-टक' सुनाई देती है। छोटे-छोटे कदमों की ताल, बच्चों की दौड़ और एक कोच की सख्त, लेकिन उम्मीद से भरी आवाज। यह है एंटाली हॉकी एकेडमी। कोलकाता के सबसे पुराने हॉकी सेंटर में से एक। बाहर से देखने पर यह जगह किसी छोटे फुटबॉल मैदान से भी छोटी लगती है. लेकिन इस छोटे से मैदान ने न जाने कितने बच्चों के सपनों को जगह दी है। यह एकेडमी इलाके के बच्चों के लिए उम्मीद का ठिकाना है। यहां आने वाले ज्यादातर बच्चे गरीब परिवारों से हैं। किसी के पिता रिक्शा चलाते हैं, तो किसी की मां सड़क किनारे खाना बेचती हैं। एंटाली की तंग गलियों में जहां कई बार हालात बच्चों का भविष्य निगल लेते हैं, वहां यह मैदान उन्हें हाथ में हॉकी स्टिक देकर लड़ना सिखाता है। यहां के कई बच्चे आगे चलकर कलकत्ता हॉकी लीग के अलग-अलग डिवीजन क्लबों तक पहुंचे हैं। एकेडमी बच्चों को सिर्फ खेल नहीं सिखाती, बल्कि उन्हें अनुशासन, दोस्ती और संघर्ष का मतलब भी समझाती है। पैसों की कमी हमेशा रहती है। बच्चों को बेसिक उपकरण देना भी मुश्किल हो जाता है। फिर भी यहां आने वाले बच्चों के चेहरे पर शिकायत नहीं दिखती। उनके लिए यह मैदान किसी मंदिर जैसा है। चौथी कक्षा में पढ़ने वाली एंजेला की मां पुतुल मंडल बताती हैं, 'मेरी बेटी यहां पहले ड्रॉइंग प्रतियोगिता में आई थी। फिर उसने जिद पकड़ ली कि हॉकी सीखनी है।' इसी तरह जुड़वां बहनें तापुर और तुपुर पांच साल से यहां अभ्यास कर रही हैं। अब वे 11 साल की हो चुकी हैं। उनके पिता सुदीप बैद्य कहते हैं, 'आजकल बच्चों का खुले मैदान में खेलना बहुत कम हो गया है। यह जगह उनके लिए सुरक्षित ठिकाना बन गई है।

गर्मियों के लिए बाइक राइडिंग सेफ्टी टिप्स,तेज धूप में चलाते समय बरतें 13 जरूरी सावधानियां,साथ रखें कुछ सामान

नयी दिल्ली। गर्मी की तपती दोपहर, सिर पर चुभती धूप और सामने से आती लपट जैसी गर्म हवा। ऐसे में बाइक चलाना सिर्फ सफर नहीं, एक चुनौती बन जाता है। कुछ ही मिनटों में शरीर थकने लगता है, ध्यान भटकता है और हल्की-सी चूक भी बड़े हादसे की वजह बन सकती है। दरअसल, गर्मियों में बाइक राइडिंग सिर्फ रोड सेफ्टी ही नहीं, बल्कि आपकी सेहत का भी इम्तिहान लेती है। डिहाइड्रेशन, चक्कर और हीट स्ट्रोक जैसे खतरे हर पल साथ चलते हैं। ऐसे में जरूरी है कि रफ्तार के साथ समझदारी भी बरती जाए। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज बात करेंगे समर बाइक सेफ्टी की। साथ ही जानेंगे-गर्मी में बाइक चलाते समय किन बातों का ध्यान रखें? अगर बाइक चलाते समय असहजता महसूस हो तो क्या करें? विषय को समझेंगे डॉ. नरेंद्र कुमार सिंगला, प्रिंसिपल कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- गर्मियों में बाइक चलाते समय ज्यादा सावधानी क्यों जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ज्यादा सावधानी इसलिए जरूरी है क्योंकि रिस्क ज्यादा होता है। बाइक चलाना हेल्थ और रोड सेफ्टी दोनों के लिहाज से थोड़ा चैलेंजिंग होता है। हाई टेम्प्रेचर शरीर, दिमाग और बाइक तीनों को प्रभावित करता है। सवाल- गर्मियों में बाइक चलाते समय कौन-से सामान साथ रखने चाहिए? जवाब- गर्मियों में बाइक चलाते समय सेफ्टी और हेल्थ के लिए कुछ सामान साथ रखना जरूरी है। इससे हीट के कारण अचानक होने वाली दिक्कतों से आसानी से निपट सकते हैं। सनस्क्रीन, सनग्लासेस,गमछा / स्कार्फ, हाइड्रेशन ओआरएस ग्लूकोज पाउडर, पानी की बोतल, इलेक्ट्रोलाइट्स ड्रिंक, सेफ्टी गियर, हेलमेट, ग्लव्स, शूज, जरूरी दवाइयां, बैंडेज, एंटीसेप्टिक क्रीम। सवाल- बाइक चलाते समय खुद को हाइड्रेटेड कैसे रखें?

जवाब- गर्मियों में बाइक चलाते समय हाइड्रेटेड रहना सबसे जरूरी है। शरीर में पानी की कमी होने पर थकान और फोकस में कमी हो सकती है। इससे एक्सीडेंट का खतरा बढ़ता है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखें- घर से निकलते हुए 1-2 गिलास पानी पिएं। संभव हो तो पानी के साथ थोड़ा ओआरएस या ग्लूकोज भी लें। नारियल पानी या तरबूज का शरबत भी पीकर निकल सकते हैं। धूप में निकलने से पहले आम पना पीना एक अच्छा ऑप्शन है। निकलते हुए पानी साथ में रखें। पानी में थोड़ा नमक-चीनी घोल लें। रास्ते में हर 20 मिनट पर थोड़ा पानी पिएं। प्यास लगने का इंतजार न करें। चक्कर, कमजोरी हो या ज्यादा प्यास लगे तो तुरंत रुक जाएं। बाइक चलाना कंटीन्यू न करें। कहीं छांव में बैठें और नॉर्मल फील होने तक वेट करें। सवाल- तेज धूप में बाइक चलाते समय क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- बाइक चलाते समय तेज धूप और गर्म हवा सीधे शरीर पर लगती है। इससे डिहाइड्रेशन, थकान और चक्कर जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सही प्रोटेक्शन और बीच-बीच में ब्रेक लेना बेहद जरूरी है। सवाल- गर्मियों में बाइक चलाते समय किन लोगों को ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- गर्मियों में बाइक चलाना हर किसी के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन कुछ लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। जैसेकि- जो हार्ट पेशेंट हैं। जिन्हें हाई बीपी/लो बीपी की समस्या है। जो डायबिटिक हैं। जिन्हें ज्यादा पसीना होता है। जो रेगुलर दवाइयां लेते हैं। जो शारीरिक रूप से कमजोर हैं। बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं, सवाल- अगर बाइक चलाते समय असहजता महसूस हो तो क्या करें? जवाब- अगर चक्कर, कमजोरी या ज्यादा थकान महसूस हो तो इसे नजरअंदाज न करें। यह ओवरहीट या डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत रुककर शरीर को आराम देना और खुद को कूल डाउन करना जरूरी है। इसके लिए कुछ काम करें-तुरंत सुरक्षित जगह पर बाइक रोकें। हेलमेट उतार दें, सिर पर हवा लगने दें। छांव या ठंडी जगह पर बैठकर आराम करें। कुछ देर बाद पानी या ओआरएस धीरे-धीरे पिएं। चेहरे और सिर पर पानी डालकर शरीर ठंडा करें। जरूरत हो तो किसी व्यक्ति से मदद मांगें या मेडिकल हेल्प लें। हालत ठीक होने तक दोबारा राइड शुरू न करें। सवाल- गर्मियों में बाइक में अचानक आग लगने की घटनाएं क्यों होती हैं?

जवाब- हाई टेम्परेचर के कारण बाइक के इंजन, वायरिंग और फ्यूल सिस्टम ज्यादा गर्म हो जाते हैं। अगर फ्यूल लीकेज, खराब वायरिंग, ओवरहीटिंग या मेंटेनेंस की कमी हो, तो चिंगारी से आग लगने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लंबी राइड में बीच-बीच में ब्रेक लें। सवाल- गर्मी में टायर फटने का खतरा क्यों बढ़ जाता है? जवाब- गर्मी में सड़क और टायर दोनों का तापमान बढ़ जाता है। इससे टायर के अंदर का प्रेशर बढ़ता है और फटने का खतरा बढ़ जाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं- तेज गर्मी से टायर का तापमान बढ़ना। हवा ज्यादा भरने से प्रेशर बढ़ जाना। गर्म सड़क पर लगातार लंबी राइड करना। घिसे या पुराने टायर का इस्तेमाल करना। टायर में पहले से कट या डैमेज होना। सवाल- गर्मियों में बाइक के कौन से पार्ट्स चेक कराना जरूरी है? जवाब- गर्मियों में ओवरहीटिंग, ब्रेक फेल या अचानक खराबी का खतरा बढ़ता है। इसलिए सर्विसिंग में इन पार्ट्स की जांच कराएं। टायर और टायर प्रेशर-क्यों जरूरी? गर्मी में हवा का वॉल्यूम बढ़ने (फैलने) से प्रेशर बढ़ता है। ओवरप्रेशर से टायर फटने का खतरा होता है। क्या करें? एयर प्रेशर मेंटेन रखें। घिसे या पुराने टायर बदलें। इंजन ऑयल-क्यों जरूरी? गर्मी में इंजन जल्दी ओवरहीट होता है। खराब ऑयल से इंजन डैमेज हो सकता है। क्या करें? ऑयल लेवल और क्वालिटी चेक करें। जरूरत हो तो ऑयल बदलें। कूलिंग सिस्टम-क्यों जरूरी? इंजन को ओवरहीट होने से बचाता है। कूलिंग खराब हो तो परफॉर्मेंस गिरती है।क्या करें? कूलेंट लेवल चेक करें। रेडिएटर साफ रखें। ब्रेक्स-क्यों जरूरी? गर्मी में ब्रेक पैड जल्दी घिसते हैं। ब्रेकिंग कमजोर हो सकती है। क्या करें? ब्रेक पैड और ऑयल चेक करें। आवाज या ढीलापन नजरअंदाज न करें। बैटरी-क्यों जरूरी? हाई टेम्परेचर से बैटरी लाइफ घटती है। सेल्फ-स्टार्ट में समस्या हो सकती है। क्या करें? टर्मिनल और चार्जिंग चेक करें। जरूरत हो तो सर्विस कराएं। चेन और स्प्रॉकेट- क्यों जरूरी? गर्मी और धूल से चेन सूखती है। राइडिंग स्मूदनेस प्रभावित होती है। क्या करें? चेन क्लीन और लुब्रिकेट करें। एयर फिल्टर- क्यों जरूरी? धूल से जल्दी गंदा हो जाता है। इंजन पर अतिरिक्त लोड पड़ता है। क्या करें? समय-समय पर साफ करें। जरूरत हो तो बदलें। स्पार्क प्लग-क्यों जरूरी? इंजन स्टार्ट और परफॉर्मेंस से जुड़ा होता है। खराब प्लग से मिसफायरिंग होती है। क्या करें? प्लग की कंडीशन चेक करें। जरूरत हो तो बदलें। क्लच और एक्सिलरेटर केबल क्यों जरूरी? गर्मी में केबल टाइट या जाम हो सकती है।कंट्रोल प्रभावित होता है। क्या करें? स्मूद मूवमेंट चेक करें। जरूरत हो तो ऑयलिंग करें। गर्मियों में बाइक चलाने के लिए सुबह और शाम का समय सबसे सुरक्षित माना जाता है। इस समय तापमान थोड़ा कम होता है और धूप का असर भी कम रहता है। दोपहर (12 से 3 बजे) के समय तेज गर्मी और लू के कारण बाइक चलाना रिस्की हो सकता है। इसलिए बहुत जरूरी न हो तो दोपहर में न चलाएं।

गर्मियों में बढ़ते आई एलर्जी के मामले,ये 9 संकेत दिखें तो न करें इग्नोर, एक्सपर्ट से समझें जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। गर्मियों में तेज धूप और गर्म हवा आंखों को प्रभावित करती है। इससे आंखों में जलन और रेडनेस की समस्या हो सकती है। आमतौर पर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ये किसी बड़ी परेशानी का संकेत भी हो सकता है। अल्ट्रावायलेट एक्सपोजर, डिहाइड्रेशन और धूल-मिट्टी आंखों को प्रभावित करते हैं। इससे आई-इन्फेक्शन हो सकता है। इसलिए गर्मियों में आई एलर्जी के केस बढ़ जाते हैं। आज 'जरूरत की खबर' में समझेंगे कि गर्मी का आंखों पर क्या असर पड़ता है। साथ ही जानेंगे कि-किन लोगों को आई-इन्फेक्शन का रिस्क ज्यादा होता है? आई इन्फेक्शन से बचने के आसान टिप्स क्या हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. श्रेया गुप्ता, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल- गर्मियों में ज्यादा टेम्परेचर और तेज धूप का आंखों पर क्या असर पड़ता है? जवाब- गर्मियों में ये तीन चीजें होती हैं- धूप तेज होती है, तापमान बहुत ज्यादा होता है। अल्ट्रावायलेट किरणों का असर बढ़ जाता है। वातावरण में नमी, धूल-मिट्?टी और प्रदूषण बढ़ जाते हैं। ये तीनों फैक्टर आंखों पर ये प्रभाव डालते हैं- तेज धूप में अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों की बाहरी परत (कॉर्निया) और लेंस को नुकसान पहुंचा सकती हैं। लंबे समय में मोतियाबिंद का खतरा बढ़ सकता है। गर्मी और लू से आंखों की नमी जल्दी कम होती है, जिससे ड्राईनेस, जलन और रेडनेस बढ़ती है। तेज रोशनी में आंखें खोलना मुश्किल होता है और सिर या आंखों में दर्द हो सकता है। लंबे समय तक धूप में रहने से विजन कुछ समय के लिए धुंधला हो सकता है। गर्मियों में धूल, पसीना और प्रदूषण बढ़ता है, जिससे आंखों में एलर्जी, खुजली और इन्फेक्शन का रिस्क बढ़ जाता है। गर्मियों में तापमान बढ़ने से आंखों की नमी जल्दी कम हो जाती है, जिससे ड्राईनेस बढ़ती है। ड्राई आई सिंड्रोम, आई एलर्जी, आई स्ट्रेन (थकान) आंखों में जलन, दर्द, आंखों में खुजली, आंखों से पानी आना, आंखों में धुंधलापन, केराटायटिस (कॉर्निया में सूजन) कंजंक्टवाइटसि, फोटोफोबिया, मोतियाबिंद। सवाल- आंखों के कौन-से लक्षण नजरअंदाज नहीं करने चाहिए? क्या गर्मियों में ये ज्यादा गंभीर हो सकते हैं? जवाब- आंखों में लगातार दर्द या तेज जलन होना सामान्य नहीं है। अचानक धुंधला या कम दिखाई देना किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। गर्मियों में ये गंभीर हो सकते हैं- आंखों की थकान, आंखों में दर्द, जलन या चुभन, रोशनी से परेशानी, रेडनेस चिपचिपा डिस्चार्ज, ज्यादा पानी, धुंधला, आना, दिखना, सूजन, सवाल- आंखों के संक्रमण और एलर्जी के मुख्य रिस्क फैक्टर्स क्या हैं? जवाब- गर्मियों में ज्यादा तापमान और पसीने से आंखों के आसपास बैक्टीरिया व वायरस बढ़ सकते हैं। धूल-मिट्टी और प्रदूषण आंखों की सतह को इरिटेट करके एलर्जिक रिएक्शन बढ़ाते हैं। युवी किरणें आंखों की प्रोटेक्टिव लेयर को कमजोर कर सकती हैं। गंदे हाथों से आंख छूने या तौलिया-रूमाल शेयर करने से संक्रमण फैलता है।स्विमिंग पूल के क्लोरीन या दूषित पानी से आंखों में जलन व इन्फेक्शन हो सकता है।सवाल- डिहाइड्रेशन होने पर आई हेल्थ और विजन कम्फर्ट पर क्या असर पड़ता है? जवाब- शरीर में पानी कम होने से आंखों पर ये प्रभाव पड़ते हैं- इससे आंखों में ड्राईनेस हो सकती है। आंखों का लुब्रिकेशन घटने से असहजता बढ़ती है। पलक झपकाने पर चुभन या किरकिरापन महसूस हो सकता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन से फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। इससे विजन कम्फर्ट कम हो सकता है। आंखों की सतह पर माइक्रो-डैमेज का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- किन लोगों को समर सीजन में आई प्रॉब्लम्स का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को रिस्क ज्यादा होता है- जो तेज धूप या गर्म वातावरण में काम करते हैं। जो एयर-कंडीशन या सूखे वातावरण में लंबे समय तक रहते हैं। जो कॉन्टैक्ट लेंस यूज करते हैं। छोटे बच्चे, जो अपनी आंखों की सेफ्टी नहीं रख सकते हैं। बुजुर्ग, जिनकी आंखों में आंसू बनने की क्षमता कम हो गई है। जो एलर्जी-प्रोन हैं और जिनकी आंखें सेंसिटिव हैं। जो ऐसे मेडिकेशन पर हैं, जिससे आंखों की ड्राईनेस बढ़ती है। सवाल- अगर पहले से ड्राई आई, एलर्जी की समस्या है तो गर्मियों में क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- इसके लिए ये सावधानियां बरतना जरूरी है- आंखों को धूल और धूप से बचाने के लिए प्रोटेक्टिव सनग्लासेस पहनें। डॉक्टर द्वारा बताई दवा या आई ड्रॉप लें। आंखों को रगड़ने की आदत से बचें, इससे सूजन बढ़ सकती है। आंखें और चेहरा नियमित रूप से साफ रखें। एलर्जी ट्रिगर्स जैसे पोलन (परागकण) या धुएं से दूर रहें। जरूरत पड़ने पर ठंडी पट्टी से आंखों को आराम दें। सवाल- गर्मियों में आई-हेल्थ के लिए डाइट और हाइड्रेशन कैसा होना चाहिए? जवाब- इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें- रोज 2.5-3 लीटर तक पानी या फ्लूइड लेना फायदेमंद है। खीरा, ककड़ी, संतरा, तरबूज जैसे हाई-वॉटर कंटेंट फूड्स लेना फायदेमंद है। एंटीऑक्सिडेंट युक्त फल आंखों की सेल्स को नुकसान से बचाते हैं।विटामिन-ए और ल्यूटिन युक्त हरी सब्जियां विजन को सपोर्ट करती हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड आई हेल्थ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। भोजन में बहुत ज्यादा नमक और शुगर से बचना जरूरी है।

धरती पर प्रधूषण को हमने चरम तक पंहुचा दिए,कहीं लाखो पेड़ काटे कहीं टनों कचरा बहाया

नयी दिल्ली। धरती बचाने के 5 उपाय, जो आपके हाथ में हैं,1. पेड़ों को 'गोद' लें : अपने आसपास के पेड़ों की देखभाल करें और हर साल नए पौधे लगाएं। 2. प्लास्टिक से दूरी बनाएं : इस तरह माइक्रो प्लास्टिक आपकी फूड चेन में जाने से रुकेगा। 3. फूड बैंक की पहल करें : अतिरिक्त भोजन जरूरतमंदों तक पहुंचाएं, अन्न की बर्बादी रोकें। 4. सोलर एनर्जी अपनाएं : फॉसिल फ्यूल की तुलना में सौर ऊर्जा 90फीसदी कम प्रदूषण करती है। 5.लो-फ्लो नल लगाएं : अगर हर परिवार यह अपना ले तो रोज 20 लीटर पानी बचा सकता है। रोज 30 हजार हेक्टेयर वन नष्ट-दुनिया में हर दिन लगभग 25,000 से 30,000 हेक्टेयर वन क्षेत्र नष्ट हो जाता है। यानी रोज लगभग 4.1 करोड़ पेड़ काटे जाते हैं। इससे धरती बंजर हो रही है। इसलिए वातावरण में सीओ2 बढ़ रही है। धरती का औसत तापमान व भीषण बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। हमारे पेट में भी जा रहा है प्लास्टिक-हर दिन लगभग 2,100 ट्रक के बराबर प्लास्टिक समुद्रों में फेंका जाता है। यह है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।? 1 अरब टन खाना बर्बाद हो रहा है-सालाना 1 अरब टन से अधिक भोजन दुनिया बर्बाद कर रही है। हर दिन लगभग 25-30 लाख टन खाना कचरे में जा रहा है। यह धरती की देन का दुरुपयोग है। करोड़ों लोग भूखे सो रहे हैं। इस बर्बादी से बनने वाली 'मीथेन गैस' धरती का तापमान बढ़ा रही हैं। रोज 10 करोड़ टन कार्बन स्टोरेज-मानवीय गतिविधियों के कारण यह समुद्री जीवन को नष्ट कर रहा है। इंसान हर हफ्ते 4.1 माइक्रो ग्राम प्लास्टिक खा रहा परत नष्ट हो रही है। इसलिए ग्लेशियर पिघल रहे हैं। समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। विनाशकारी हीटवेव (लू) चल रही हैं।रोज 345 अरब लीटर पानी बह रहा है-हर साल दुनिया में 126 अरब क्यूबिक मीटर साफ पानी बर्बाद होता है। यानी हर दिन लगभग 345 अरब लीटर साफ पानी हम बर्बाद कर रहे हैं। दुनिया की 25फीसदी आबादी 'वॉटर स्ट्रेस' से जूझ रही है और कई बड़े शहर 'डे जीरो' की ओर बढ़ रहे हैं। हर दिन वातावरण में औसतन 10 करोड़ टन से अधिक सीओ2 छोड़ी जाती हैं। इससे धरती की ओजोन

अमीर बनने के लिए अलग तरह के रास्ते अख़्तियार करने पड़तें हैं

अक्सर हम सोचते हैं कि पैसा बचाना ही अमीरी का रास्ता है, लेकिन हकीकत अलग है। हाल ही में मेरी नजर ब्रिटेन के एक बैंकर टिम टॉबमैन की वेबसाइट 'thecrazyplan.com' पर पड़ी। टिम ने 2024 में इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत की थी। उनका दावा रोमांचक हैः एक नौसिखिया निवेशक को 'शून्य' से 'अरबपति' बनाने का सफर। यहां 1 अरब डॉलर (करीब 9,400 करोड़ रुपए से अधिक) की बात हो रही है, जो सुनने में शायद नामुमकिन लगे। लेकिन इस वेबसाइट की असली खूबसूरती उनके द्वारा दी जाने वाली वित्तीय शिक्षा में छिपी है। टिम कहते हैं कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार वॉरेन बफे (95 साल) की संपत्ति 150 अरब डॉलर (करीब 1.42 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा है। लोग बफे की कामयाबी की चर्चा तो करते हैं, लेकिन उन तीन बुनियादी बातों को भूल जाते हैं जिन्होंने उन्हें 'दिग्गज' बनाया...लंबी उम्रः वे 95 वर्ष के हैं और आज भी सक्रिय हैं। निरंतरताः वे पिछले 80 से अधिक वर्षों से निवेश कर रहे हैं। सादगीः वे अपनी कमाई से बहुत कम खर्च करने और अनुशासन के साथ जीने के लिए जाने जाते हैं। टिम का क्रेजी प्लान यह दिखाता है कि कोई भी व्यक्ति अकल्पनीय संपत्ति बना सकता है। उनकी वेबसाइट दो योजनाओं पर टिकी है थली प्लानः हर महीने 50 पाउंड (करीब 6,400 रुपए) की बचत।एकमुश्त प्लानः एक बार में 10,000 पाउंड (करीब 12.8 लाख रुपए) का निवेश। टिम के कैलकुलेशन के अनुसार, लम्प-सम प्लान एक अरब डॉलर तक पहुंचने में 77 साल और मंथली को 86 साल 8 महीने लगेंगे। इस ब्लॉग में बफे के निवेश सिद्धांतों के कई संदर्भ दिए गए हैं। टिम का कहना है कि बफे ने इस नजरिए से सोचना शुरू किया कि निवेश उनकी परिवार की आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या मायने रख सकता है।

आमतौर पर एक निवेशक परिवार के लिए 30-40 साल का समय लेकर चलता है, लेकिन यदि इसी समय सीमा को बढ़ाकर 80 साल कर दिया जाए, तो हर कोई बफे बन सकता है। इसे ऐसे समझेंःकरीब 13 लाख रुपए की राशि 50 साल में बढ़कर 268 करोड़ रुपए हो सकती है, लेकिन वही राशि 80 साल में 18 हजार करोड़ का विशाल फंड बन जाती हैं।मैनेजमेंट टिपः याद रखिए बचत से आप अमीर नहीं बन सकते और दौलत रातोरात नहीं बन सकती। ये लंबी यात्रा हैं। अनुशासित निवेश से न केवल भविष्य सुरक्षित करते हैं, बल्कि अगली पीढ़ी के लिए मजबूत नींव भी रखते हैं। (एन. रघुरामन)

प्रहार करने की क्षमता और फिर रुक जाने का विवेक भी

ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष बाद अगर हम उससे मिलने वाली सबसे बड़ी सीख के बारे में सोचें, तो न तो वह हमले की सटीकता है और न ही उसके क्रियान्वयन की गति, बल्कि वह वो रणनीतिक स्पष्टता है, जो इसका आधार बनी। भारत ने यह दिखाया था कि प्रभावी होने के लिए शक्ति-प्रयोग का अधिकतम-वादी होना आवश्यक नहीं है। ऐसे दौर में, जब देश अकसर लंबे चलने वाले संघर्षों में उलझ जाते हैं, भारत ने एक अलग मार्ग चुना। यह एक संयमित, सुनियोजित और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित मार्ग था। इसी ने उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को आकार दिया है। दुनिया भर में हालिया संघर्षों ने एक कठोर सत्य उजागर किया हैः आज युद्ध शुरू करना तो आसान है, लेकिन उन्हें समाप्त करना कहीं ज्यादा मुश्किल। निर्णायक जीत की अवधारणा लगातार दुर्लभ होती जा रही है। टेक्नोलॉजी ने अप्रत्याशित तरीकों से शक्ति-संतुलन को समतल कर दिया है। छोटे या अपेक्षाकृत कम विकसित देश भी अब बड़ी ताकतों को लंबे खिंचने वाले संघर्षों में फंसा सकते हैं, जो उनके संसाधनों और राजनीतिक इच्छाशक्ति दोनों को क्षीण करते हैं। परिणामस्वरूप एक ऐसी रणनीतिक अस्पष्टता उभरती है, जिसमें लागत अत्यधिक होती है, उपलब्धियां सीमित रहती हैं और अंतिम स्थिति स्पष्ट नहीं होती। ऐसे में भारत का दृष्टिकोण इस समझ को प्रतिबिम्बित करता है कि ताकत की आजमाइश का उद्देश्य केवल शक्ति-प्रदर्शन नहीं, बल्कि व्यापक राष्ट्रीय ढांचे के भीतर विशिष्ट और सीमित उद्देश्यों की प्राप्ति है। ऑपरेशन सिंदूर इसी तर्क का प्रतीक था। इसका उद्देश्य न तो किसी के भूगोल को बदलना था और न ही अधिकतम-वादी लक्ष्यों का पीछा करना; इसका उद्देश्य रणनीतिक स्थिरता को बनाए रखते हुए एक स्पष्ट और विश्वसनीय संदेश देना था। ऐसा करके भारत ने उस सिद्धांत को पुनर्स्थापित किया, जो समकालीन भू-राजनीति में लगातार दुर्लभ होता जा रहा है। और वह है : शक्ति का अनुशासित प्रयोग। इस अनुशासन को अकसर सतर्कता से उपजे संयम के रूप में गलत समझ लिया जाता है। वास्तव में, यह आत्मविश्वास से उपजा संयम है। भारत के नेतृत्व ने यह प्रदर्शित किया कि उसके पास न केवल प्रहार करने की क्षमता और इच्छाशक्ति है, बल्कि उद्देश्यों की प्राप्ति के बाद की आवश्यकता होती है, जो परिणामों को महत्व देती हो। साथ ही, भारत का दृष्टिकोण अपने नागरिकों की सुरक्षा के प्रति अडिग प्रतिबद्धता पर आधारित है। जीवन की रक्षा और सुरक्षा का आश्वासन सर्वोपरि बने हुए हैं। इस आवश्यकता का पालन दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों से पृथक होकर नहीं किया जाता। बल्कि इसे एक व्यापक रणनीतिक दृष्टि में समाहित किया गया है। यह ऐसी दृष्टि है, जो स्वीकार करती है कि स्थायी सुरक्षा आर्थिक विकास, सामाजिक स्थिरता और वैश्विक विश्वसनीयता से अलग नहीं है। इस दृष्टिकोण के कुछ और प्रमुख तत्व विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जैसे उद्देश्य की स्पष्टता, जिसमें शक्ति का प्रयोग परिभाषित और प्राप्त करने योग्य परिणामों के लिए किया जाता है- न कि अनिश्चित लक्ष्यों के लिए। नियंत्रित एस्केलेशन, जिसमें निर्णायक कार्रवाई की क्षमता होती है। साधनों का समन्वय, जिसके तहत यह फ्रेमवर्क भारत की व्यापक आकांक्षाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र की परिकल्पना निरंतर आर्थिक गति की मांग करती है। व्यापक संघर्ष उन परिस्थितियों को बाधित कर देता है, जो विकास को संभव बनाती हैं : निवेशकों का विश्वास, बुनियादी ढांचे का विकास और सामाजिक एकता। इसलिए भारत का रणनीतिक संयम उसकी सीमा नहीं, बल्कि उसकी सावधानीपूर्वक चुनी गई प्राथमिकता है। यह इस समझ को भी दर्शाता है कि राष्ट्रीय शक्ति का मापदंड सैन्य क्षमता ही नहीं, आर्थिक सुदृढ़ता में भी निहित है। ऐसे दौर में, जब देश अकसर लंबे चलने वाले संघर्षों में उलझ जाते हैं, भारत ने एक अलग मार्ग चुना। यह एक संयमित, सुनियोजित और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित मार्ग था। इसने उसकी वैश्विक प्रतिष्ठा को आकार दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, सैयद अता हसनैन)

आपको मशीनों से प्यार है तो एक एआई-प्रूफ नौकरी आपके इंतजार में है

बचपन से ही उसे अपने खिलौने खोलकर फिर से जोड़ना पसंद था, हालांकि वह इसमें विफल होता था। फिर, स्कूली दिनों में वह पिता की कार से छेड़छाड़ करता और उसे ठीक करने की कोशिश करता। कभी ठीक कर भी देता, लेकिन कभी-कभी उसके पिता को मैकेनिक का भारी बिल चुकाना पड़ता था।

लेकिन पिता को इससे फर्क नहीं पड़ता था। उन्होंने उसे अपनी महंगी कार के साथ खेलने दिया। पेशे से पायलट पिता मानते थे कि मैकेनिकल माइंडसेट वाले लोग ही एआई को मात दे सकते हैं। लड़का बड़ा हुआ और पिता की तरह मशीनें उड़ाने का सपना देखने लगा।

लेकिन उसकी आंखों की रोशनी इस लायक नहीं थी।

अब हाई स्कूल का यह लड़का एक दूसरी नौकरी की ट्रेनिंग ले रहा है, जो उसे छह अंकों की सैलरी वाली एविएशन जॉब दिलवाएगी। पिछले छह वर्षों में इस नौकरी की मांग पायलट से भी ज्यादा है।

दरअसल, उसके पिता जैसे लोग इन विशाल मशीनों को तब तक नहीं उड़ा सकते, जब तक ये लोग उनकी एयरवर्थिनेस को प्रमाणित न कर दें। क्योंकि पायलट जहां विमान उड़ाते हैं, वहीं टेक्नीशियन कानूनी तौर पर उनकी एयरवर्थिनेस के संरक्षक होते हैं। अभी यह 17 साल का लड़का अमेरिका के एक रीजनल एयरपोर्ट पर 10 हजार स्क्वायर फीट के हैंगर (जहां विमानों की मरम्मत होती है) में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस टेक्नीशियन (एएमई) की ट्रेनिंग ले रहा है।यकीन मानिए, ट्रेनिंग पूरी होते ही उसे किसी एयरलाइन में नौकरी मिल जाएगी, जहां उसकी सैलरी छह अंकों से शुरू होगी।

एविएशन इंडस्ट्री मशीनों के ऐसे दीवानों को पाकर खुश है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंडस्ट्री में उन लोगों की कमी हो रही है, जो विमानों की सुरक्षित और समय पर उड़ान को बनाए रखते हैं। 40ङ से ज्यादा एविएशन मैकेनिक्स उम्रदराज हो रहे हैं और रिटायरमेंट के करीब हैं। कई तो 60 की उम्र पार कर एक्सटेंशन पर हैं।

अमेरिका जैसे देशों में एविएशन ट्रैफिक बहुत ज्यादा है। अगले साल अकेले नॉर्थ अमेरिका में करीब 7 हजार सर्टिफाइड मैकेनिक्स की कमी का अनुमान है। इसमें 15 हजार नॉन-सर्टिफाइड मेंटेनेंस स्टाफ शामिल नहीं हैं। इस कमी के कारण 2020 के बाद से एएमई की एंट्री लेवल सैलरी में 50ङ से ज्यादा का इजाफा हुआ है। यह उन गिनी-चुनी नौकरियों में से है, जहां जॉइनिंग पर 75 हजार डॉलर तक का साइनिंग बोनस दिया जाता है।

सैलरी और ओवरटाइम मिलाकर सालाना पैकेज करीब 1.35 लाख डॉलर तक पहुंचता है। फिर भी एविएशन कंपनियां रिक्त पद नहीं भर पा रही हैं और कई बड़ी एयरलाइंस तो खुद के ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू कर रही हैं। सोच रहे हैं कि उसकी यह यात्रा कैसे शुरू हुई?

यह हाई स्कूल के तुरंत बाद शुरू हो गई थी।

भारत और कई अन्य देशों में इसके लिए न्यूनतम योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स (पीसीएम) के साथ 10ढ2 है।

इसके लिए चार साल की डिग्री जरूरी नहीं, बल्कि आपको एक स्पेशलाइज्ड लाइसेंस-आधारित ट्रेनिंग प्रोग्राम करना होता है। यह आम गलतफहमी है कि अच्छी ट्रेनिंग सिर्फ विदेशों में ही उपलब्ध है।

हकीकत यह है कि भारत में इसका मजबूत ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसका नियमन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) करता है। भारत में कई ऊंचे दर्जे के सरकारी और निजी कॉलेज उपलब्ध हैं। इसके लिए यूरोप में ईएएसए पार्ट-147 सर्टिफाइड स्कूल्स या अमेरिका के एफएए अप्रूव्ड पार्ट-147 स्कूल्स देखे जा सकते हैं। कनाडा और जर्मनी जैसे देश अपनी एडवांस्ड एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सुविधाओं के कारण इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए बड़े हब हैं।

पूरी ट्रेनिंग और पढ़ाई में करीब तीन साल लगते हैं। भारत में मई के दूसरे हफ्ते से जून के दूसरे हफ्ते तक कई सीईटी होते हैं। इनमें कई छात्र कैटेगरी बी लाइसेंस (मैकेनिकल के लिए बी1 या एवियोनिक्स के लिए बी2) हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं। इसके लिए उन्हें डीजीसीए के कई मॉड्यूलर एग्जाम पास करने होते हैं और प्रैक्टिकल घंटे पूरे करने होते हैं।

फंडा यह है कि अगर आपको मशीनों से प्यार है तो कॅरिअर को एएमई की दिशा में ले जाने की कोशिश करें। यह एआई-प्रूफ और ऊंची कमाई वाली नौकरी है।एन. रघुरामन

ईरान में अमेरिका के तमाम कथित लक्ष्य अधूरे रह गए हैं

इजराइल और अमेरिका ईरान के खिलाफ जो जंग लड़ रहे हैं, उसकी शुरुआत उन्होंने बड़े नाटकीय ढंग से की थी। लेकिन आज इस जंग को जीतने का दावा करने वाले- खासकर अमेरिका- जिस तरह गतिरोध वाली हालत में फंसे हैं, वह भी उतना ही नाटकीय है। 'नाटकीयता' का तत्व ईरान के शीर्ष आध्यात्मिक, सैन्य, वैचारिक एवं बौद्धिक नेतृत्व की हत्या में निहित था और गतिरोध का तत्व हार मानने से ईरान के जिद्दी इनकार में निहित है। इन सबसे कुछ सवाल उभरते हैं। हत्याएं क्या आपके दुश्मन के सफाए की गारंटी हो सकती हैं? क्या इससे बेहतर कोई समझदारी वाला तरीका हो सकता है? क्या इजराइल-अमेरिका गठबंधन अपनी खास चाल चलना भूल गया? क्या ऐसे किसी और युद्ध का इतिहास हमें कुछ और सिखाता है? भारत के जो अनुभव रहे हैं उनसे क्या कुछ सीख मिलती है? इनमें से पहले सवाल को छोड़ बाकी के जवाब हां हैं। इजराइल अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लंबे समय से लड़ रहा है। वह इसलिए निराश होगा कि ईरान में सरकार नहीं बदली। लेकिन ईरान कमजोर हुआ है, उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका लगा है और उसका मिसाइल सिस्टम काफी हद तक खत्म हो गया है- ये सब कम कीमत पर मिली बड़ी सफलताएं हैं। लेबनान में भी हिज्बुल्ला का कमजोर होना उसके लिए फायदा ही है। अगर इजराइल अपने आसपास की स्थिति देखते हुए अपने लिए थोड़ा समय चाहता था, तो यह अच्छी रणनीति थी। लेकिन अमेरिका का क्या? वह ईरान में सत्ता बदलना चाहता था, उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना चाहता था और खाड़ी देशों (जीसीसी) को सुरक्षा का भरोसा देना चाहता था। इन तीनों में वह सफल नहीं हो पाया।ईरान में वही सरकार बनी रही, बल्कि अब ज्यादा कट्टरपंथी लोग सत्ता में आ गए हैं। जहां तक यूरेनियम का सवाल है, ईरान उसे वापस करने या अपने परमाणु कार्यक्रम को निगरानी में लाने को तैयार नहीं है। उसके मिसाइल लॉन्चर जरूर कम हुए हैं, लेकिन उन्हें रोकने वाले सिस्टम भी कम हो गए हैं। जब-जब ट्रम्प या उनके 'सेक्रेटरी ऑफ वार' पीट हेगसेथ कहते हैं कि ईरान की नौसेना और वायुसेना खत्म हो गई है, तब हंसी आती है।

क्यों शिक्षा किसी भी करियर की 'सबसे अहम बीज' है?

नागेश एक स्थानीय कॉलेज में लेक्चरर थे। उन्हें खुशी थी कि अपने खेतीबाड़ी के पारिवारिक पेशे की तुलना में उन्हें यहां विद्यार्थियों से खूब सम्मान मिलता था। उनका परिवार पूरी तरह खेती पर निर्भर था और परिजनों को भरोसा था कि उनकी एक एकड़ जमीन हमेशा परिवार का पेट भरती रहेगी। इसी पारिवारिक दबाव के चलते 31 साल के इस लेक्चरर ने नौकरी छोड़ कर बेंगलुरु के निकट परिवार की जमीन पर खेती करने का फैसला किया।

खीरे की अच्छी फसल की उम्मीद में उन्होंने श्रीगंगाधरेश्वर ट्रेडर्स से संपर्क किया, जिसने उसे सुवर्णा हाइब्रिड सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के एफ-1 हाइब्रिड 'शांति कुकंबर' के बीज लेने का सुझाव दिया। नागेश ने 19 जुलाई, 2023 को 1750 रुपए में बीज के पांच पैकेट खरीदे और उसी दिन बो दिए। इसी दौरान उन्हें आईविज सीड्स के 'चित्रा कुकंबर' के दो पैकेट भी मिले और उन्होंने वो भी बो दिए। नागेश ने जमीन तैयार करने, खाद, मजदूरी, ट्रैक्टर किराया, क्यारी बनाने, बांस लगाने, सिंचाई का सामान लेने, उर्वरक और कीटनाशकों सहित खेती पर करीब 1.1 लाख रुपए खर्च किए। लेकिन शुरुआत में ही समस्या आ गई।

खराब अंकुरण के कारण 'शांति कुकंबर' वाले पौधों की बढ़ोतरी रुक गई। यह फसल रंग और आकार में कमजोर रही।

नागेश ने आपत्ति जताई तो डीलर ने उन्हें निर्माता के पास भेजा।कंपनी के प्रतिनिधि खेत पर आए, फसल देखी, फोटो ली और मामला आगे भेजने का भरोसा दिया।

फिर एक और प्रतिनिधि एक अन्य व्यक्ति के साथ आया, जिसे वह वैज्ञानिक बता रहा था। उन्होंने भी आश्वासन दिया कि मुआवजे पर विचार करेंगे।

क्लासरूम में ग्रिल गिरने से 6वीं के छात्र की मौत,डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर ने लापरवाही मानी,प्रिंसिपल सस्पेंड

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय में एक सरकारी स्कूल के भीतर हुई लापरवाही ने 12 साल के छात्र

की जान ले ली। ये 6 मई को बिहार के अरवा गांव के जहानपुर सेकेंडरी स्कूल की घटना है। क्लासरूम में लोहे की ग्रिलों का ढेर गिरने से छठी क्लास के छात्र विवान राज उर्फ मुन्ना की मौके पर ही जान चली गई।पेन उठाने झुका तभी ग्रिल ढह गईं जानकारी के मुताबिक, लंच-ब्रेक के दौरान स्कूल के बरामदे में काफी भीड़ थी। भीड़ से बचने के लिए विवान पास के एक क्लासरूम में चला गया, जहां साइंस लैब बनाने के लिए लोहे की भारी ग्रिलें रखी गई थीं। इसी दौरान उसका पेन ग्रिलों के पास गिर गया। जैसे ही वह पेन उठाने के लिए झुका, ग्रिलों का पूरा ढेर अचानक उस पर गिर पड़ा। नुकीली ग्रिलें उसके सिर में धंस गईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।घटना के बाद टीचर्स मौके से भागे घटना के बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। खबर फैलते ही ग्रामीणों में गुस्सा भड़क उठा। स्कूल पहुंचकर ग्रामीणों ने स्कूल का घेराव किया।हालात बिगड़ता देख कई टीचर्स मौके से भाग गए। आरोप है कि गुस्साए लोगों ने स्कूल के हेडमास्टर अमित कुमार और कंप्यूटर टीचर अवनीश कुमार को घेर लिया और उनके साथ मारपीट भी की। लोगों ने छात्र का शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया-मामले की सूचना मिलते ही बछवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन भीड़ को काबू करने के लिए तेघड़ा और भगवानपुर थाने से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा। गुस्साए लोगों ने छात्र का शव सड़क पर रखकर कई घंटों तक जाम रखा। बाद में प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर परिजनों और ग्रामीणों को कार्रवाई और मुआवजे का भरोसा दिया, तब जाकर प्रदर्शन खत्म हुआ। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। लापरवाही के लिए स्कूल प्रिंसिपल को सस्पेंड किया-जिला प्रशासन ने मामले को गंभीर मानते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में स्कूल प्रशासन की लापरवाही सामने आई है। इसके बाद बेगुसराय के डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन ऑफिसर मनोज कुमार ने स्कूल प्रिंसिपल अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है और विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कश्मीर में एडवांस हथियारों वाली 1500 विलेज गार्ड्स की तैनाती,5 जिलों के ग्रामीण जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे

जम्मू/श्रीनगर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने गांव स्तर पर सुरक्षा तंत्र काफी मजबूत किया है। पिछले एक साल में पांच जिलों में 1500 से ज्यादा विलेज डिफेंस गार्ड्स (वीडीजी)

को ट्रेनिंग दी गई है। इसमें हथियार चलाना, टैक्टिकल मूवमेंट, सर्विलांस व इमरजेंसी रिस्पॉन्स शामिल है।

वहीं, .303 राइफल की जगह एसएलआर, बुलेटप्रूफ जैकेट व वायरलेस कम्युनिकेशन सेट भी दिए जा रहे हैं। ये ग्रामीण सीमाई इलाकों में जवानों के साथ 12-12 घंटे की ड्यूटी कर रहे हैं।

राजौरी के अमित कुमार कहते हैं कि पिछले एक साल में कई बार घुसपैठ की कोशिशें हुईं, पर वीडीजी सदस्यों ने समय रहते सेना और पुलिस को अलर्ट किया। उनके मुताबिक गांव में कोई अजनबी आता है तो लोग तुरंत पहचानकर मूवमेंट की सूचना देते हैं। रात में सुरक्षा बलों के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग भी होती है। बदलावः आतंकी घटनाएं 27.5फीसदी घटीं-पिछले एक साल में जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं से होने वाली मौतों में लगभग 27.5फीसदी की कमी दर्ज की गई है। जहां हमले से पहले वाले साल में कुल 127 मौतें हुई थीं, वहीं पिछले एक साल में यह आंकड़ा घटकर 92 रह गया है। हिंसा का सबसे गहरा असर पर्यटन पर पड़ा है, जिससे पर्यटकों की सालाना संख्या 33 लाख से गिरकर 11.60 लाख रह गई है। पर्यटकों का भरोसा बहाल करने के लिए कई स्तरों पर कोशिशें की जा रही हैं। पुलिसः 50-60फीसदी इनपुट ह्यूमन इंटेलिजेंस पर-एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक सर्च ऑपरेशन में 60फीसदी इनपुट ह्यूमन इंटेलिजेंस पर आधारित होते हैं।बॉर्डर और पहाड़ी गांवों में स्थानीय लोग और वीडीजी जैसे सदस्य सर्विलांस की पहली परत की तरह काम करते हैं। इनकी वजह से कई आतंकी वारदात रोकने में सफलता मिली है। अमरनाथ यात्राः सीएपीएफ की 190 कंपनियां होंगी सुरक्षा में तैनात 3 जुलाई से शुरू होने वाले अमरनाथ यात्रा की तैयारियां के बीच चुनाव ड्यूटी के लिए दूसरे राज्यों में गईं सीएपीएफ की 190 कंपनियां जम्मू-कश्मीर लौटने लगी हैं। ये कंपनियां अगले दो हफ्ते के इनपुट पर कार्रवाई करते हुए दो आतंकियों को मार गिराया गया। जनवरी में ही कुछ दिन बाद वीडीजी ने एक आतंकी ठिकाना ढूंढने में मदद की। यहां उस्मान के दो और साथी ढेर किए गए।

17 जनवरी, कठुआ का बिलावर इलाका, वीडीजी की मदद से जैश-ए-मोहम्मद का टॉप आतंकी उस्मान मारा गया। पिछले साल दिसंबर में सेना ने डोडा के कई गांवों में स्पेशल ट्रेनिंग कैंप लगाए। सांबा, कठुआ, राजौरी और पुंछ जैसे संवेदनशील जिलों में फॉरेस्ट पेट्रोलिंग, माउंटेन सर्विलांस की ट्रेनिंग दी गई। फोकस खास तौर पर दूर-दराज और पहाड़ी इलाकों पर है, जहां इमरजेंसी में सुरक्षा बलों को पहुंचने में वक्त लगता है। डोडा और आसपास के जिलों में महिलाएं भी वीडीजी नेटवर्क से जुड़ी हैं और गांव की सुरक्षा व निगरानी में हिस्सा ले रही हैं।

सगे भाइयों ने इकलौती बहन को घर गिफ्ट किया,175 गज में बना, कीमत करीब रु50 लाख,सरप्राइज देख फूट-फूटकर रोई

लुधियाना। लुधियाना में सगे भाइयों ने इकलौती बहन को 175 गज का घर गिफ्ट कर दिया। इसकी कीमत करीब 50 लाख रुपए है। भाइयों ने सरप्राइज तरीके से बहन को ये गिफ्ट दिया। वह ढोल बजाते हुए बहन को वहां ले गए। जब उन्होंने नेम प्लेट से कागज हटाया तो अपना नाम लिखा देकर बहन रो पड़ी। बहन शादीशुदा है। भाइयों का कहना है कि पिता के निधन के बाद बहन हमेशा उनके साथ खड़ी रही। इसलिए अपने घर के नजदीक ही मकान बनाकर दिया। बहन को घर गिफ्ट करने वाले दोनों भाई एक्टिंग करते हैं। एक भाई बिग बॉस के सीजन 10 में कॉमनर कंटेस्टेंट के तौर पर भी हिस्सा ले चुका है। बहन को सरप्राइज गिफ्ट में घर देने की पूरी कहानी-2011 में हुई बहन की शादीः अमर देवगन और देव देवगन ने बताया कि उनकी बहन मनप्रीत कौर की शादी 2011 में लुधियाना में ही हुई। मनप्रीत के पति होम लोन डिपार्टमेंट में मैनेजर हैं। वैसे तो, बहन के पास पहले से ही 2 प्रॉपर्टी हैं लेकिन वह चाहते थे कि मायके से भी कुछ नया मिले। इसी वजह से उन्होंने तय किया कि बहन को कोई बड़ा सरप्राइज गिफ्ट देंगे। पहले ब्रेजा गिफ्ट की, 5 साल से प्लानिंग कर रहे थेः भाई देव ने बताया कि इससे पहले थी। फिर 19 मई 2025 को बहन की मैरिज एनिवर्सरी थी। जिसमें उन्होंने बहन को ब्रेजा कार गिफ्ट की थी। जिसके बाद उन्होंने रक्षाबंधन पर उन्होंने बहन मनप्रीत को एक्टिवा गिफ्ट दी जाएगी। ऐसे दिया सरप्राइज गिफ्ट की बहन रो पड़ी-दोनों भाइयों अमर देवगन और देव देवगन ने इस सरप्राइज को बेहद खास तरीके से प्लान किया। देव ने बताया कि 5 मई को मेरी मैरिज एनिवर्सरी थी। जिसको लेकर घर पर पाठ रखा गया था। पाठ पूरा होने के बाद देव अपनी पत्नी को गिफ्ट देने के बहाने बाहर लेकर गए। उनके साथ बहन मनप्रीत कौर बिर्दी और परिवार को साथ ले लिया। इस दौरान बहन मनप्रीत ने पूछा कि अपनी एनिवर्सरी पर मुझे क्या गिफ्ट दे रहे हो। बहन को लगा कि एक्टिवा या फिर ऐसी कोई दूसरी चीज देंगे। वह रास्ते भर पूछती रही लेकिन दोनों भाईयों ने इसे सस्पेंस बनाए रखा। इसके बाद वह रिश्तेदारों और ढोल के साथ पैदल ही कोट मंगल सिंह में अपने घर की पास वाली गली में गए। वहां जाकर दोनों भाई एक घर के बाहर खड़े हो गए। जब उन्होंने घर के बाहर लगी नेमप्लेट से कागज हटाया तो उसमें मनप्रीत कौर बिरदी लिखा हुआ था। उन्होंने बहन को बताया कि यह तेरे लिए गिफ्ट है। यह देखकर बहन फूट-फूटकर रोने लगी और भाईयों के गले लग गई। उसे समझ नहीं आ रहा था कि भाईयों ने इतना बड़ा घर उसे गिफ्ट कर दिया। भाइयों ने उसे मुश्किल से चुप कराया कि आज रोने का नहीं बल्कि खुशी का दिन है। दोनों भाई कलाकार और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर-अमर देवगन और देव देवगन लुधियाना के रहने वाले हैं और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर और कलाकार हैं। ये दोनों मुख्य रूप से अपनी पंजाबी वेब सीरीज और फैमिली ड्रामा करते हैं।

अमर देवगन अक्सर ऐसी शॉर्ट फिल्में और सीरीज बनाते हैं जो पंजाब के ग्रामीण जीवन,सामाजिक मुद्दों और पारिवारिक रिश्तों पर आधारित होती हैं। वह सकियां भैणां (सगी बहनें) सीरीज भी बना चुके हैं। वहीं देव बिग बॉस-10 में कॉमनर कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा ले चुके हैं। 2016 में हुए इस शो में मेन कंटेस्टेंट सेलिब्रिटीज के साथ इंडिया वाले यानी कॉमन लोगों को भी सिलेक्ट किया गया था। इन्हीं में देव भी शामिल थे। एक्टिंग के अलावा देव वीडियो एडिटिंग, डायरेक्शन और डायलॉग लिखने में भी माहिर हैं।

देशभर में अपराध 6 फीसदी घटे, एनसीआरबी की रिपोर्ट,महिलाओं और एससी-एसटी के खिलाफ क्राइम में कमी

नयी दिल्ली। देशभर में 2024 में दर्ज अपराधों की संख्या में 6 फीसदी की गिरावट आई है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक, 2023 में 62.41 लाख मामलों के मुकाबले 2024 में 58.85 लाख केस दर्ज हुए। यह जानकारी बुधवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, क्राइम रेट यानी प्रति एक लाख आबादी पर दर्ज मामलों की संख्या भी कम हुई है। यह 2023 में 448.3 से घटकर 2024 में 418.9 रह गई। इससे साफ है कि कुल मामलों के साथ अपराध दर में भी गिरावट आई है। हत्या के कुल 27,049 मामले-2024 में हत्या के कुल 27,049 मामले दर्ज हुए। यह 2023 के मुकाबले 2.4फीसदी कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, हत्या के मामलों में सबसे बड़ा कारण आपसी विवाद रहा। इसके बाद बदला या दुश्मनी और लालच जैसी वजहें सामने आईं।महिलाओं के खिलाफ अपराध में 1.5फीसदी की गिरावट-महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी 1.5फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। महिलाओं के खिलाफ अपराध का रेट 2023 में 66.2 से घटकर 2024 में 64.6 हो गया। 2024 में ऐसे 4.41 लाख केस दर्ज हुए, जबकि 2023 में यह संख्या 4.48 लाख थी।अनुसूचित जाति के खिलाफ अपराधों में भी 3.6फीसदी की कमी आई। 2024 में 55,698 केस दर्ज हुए, जबकि 2023 में यह संख्या 57,789 थी।अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अपराधों में 23.1फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। 2024 में ऐसे 9,966 मामले सामने आए, जबकि 2023 में 12,960 केस दर्ज हुए थे। 'हर्ट' यानी चोट से जुड़े मामलों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। ये केस 2023 में 6.36 लाख से घटकर 2024 में 4.41 लाख रह गए, यानी 30.58फीसदी की कमी आई।

शक्ति कपूर अपनी मौत की अफवाह पर भड़के,बोले- मैं बिल्कुल ठीक और खुश हूं

फेक न्यूज फैलाने वालों के खिलाफ लीगल एक्शन लूंगा

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के पिता और दिग्गज एक्टर शक्ति कपूर अपनी मौत की फर्जी खबरों को लेकर भड़क गए हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर उनके निधन की अफवाहें उड़ रही थीं, जिससे एक्टर परेशान हो गए थे। अब शक्ति कपूर ने खुद सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर इन खबरों का खंडन किया है। उन्होंने बताया कि वे पूरी तरह स्वस्थ हैं और ऐसी हरकत करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराएंगे। कहा- मैं स्वस्थ और खुश हूं शक्ति कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे काफी फिट नजर आ रहे हैं। वीडियो में एक्टर ने कहा, 'सभी को नमस्कार, मेरी मौत की अफवाह पूरी तरह झूठी है। मैं स्वस्थ और खुश हूं। प्लीज इसे इग्नोर करें। मैं इसकी शिकायत करने जा रहा हूं, लेकिन ये ठीक नहीं है।' उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की फर्जी खबरें फैलाना अच्छी बात नहीं है और इससे परिवार और चाहने वालों को मानसिक तनाव होता है। तबीयत काफी ज्यादा खराब है। मेरे हसबैंड की बीवी में आए नजर

अस्पताल जाने के बाद शुरू हुई थी चर्चा शक्ति कपूर के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें इस साल की शुरुआत में तब शुरू हुई थीं, जब उन्हें बेटी श्रद्धा कपूर के साथ एक अस्पताल के बाहर देखा गया था।

उस वक्त श्रद्धा वहां मौजूद पैपराजी पर काफी भड़क गई थीं। श्रद्धा का गुस्सा देख सोशल मीडिया पर यह चर्चा होने लगी थी कि शायद शक्ति कपूर की तबीयत काफी ज्यादा खराब है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शक्ति कपूर को आखिरी बार फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था। इस फिल्म में अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिकाओं में थे। हालांकि, बड़े सितारों के बावजूद यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। शक्ति कपूर काफी समय से लाइमलाइट और सोशल मीडिया से दूर हैं।

सलमान ने कहा मेरे बिना 'राजा शिवाजी' नहीं बनाओगे,रितेश देशमुख बोले- किसी एक्टर ने फीस नहीं ली.अभिषेक ने सिर्फ मां के हाथ का ठेचा मांगा

मुंबई। रितेश देशमुख इन दिनों अपनी फिल्म 'राजा शिवाजी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज की शौर्य गाथा है, जिसे रितेश ने बतौर एक्टर, राइटर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर पर्दे पर उतारा है। न्यूज़ पोर्टल वेव इंटरविव से बातचीत में रितेश ने फिल्म से जुड़े कई इमोशनल किस्से शेयर किए और एक पिता, एक बेटे व एक फिल्ममेकर के तौर पर अपनी भावनाएं सामने रखीं। उन्होंने सबसे बड़ा खुलासा कास्ट की फीस को लेकर किया। रितेश ने बताया कि सलमान खान, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे बड़े सितारों ने इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए एक भी रुपया नहीं लिया। अभिषेक ने तो फीस की जगह रितेश की मां के हाथ का बना 'ठेचा' (महाराष्ट्रीयन डिश) मांगा। रितेश ने अपने 10 साल के संघर्ष, पिता विलासराव देशमुख की दी गई सीख और खुद पर लगे कॉमेडी एक्टर का टैग तोड़ने पर भी खुलकर बात की। सलमान खान, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे एक्टर्स ने फिल्म के लिए कोई फीस नहीं ली-यह बिल्कुल सच है। हम एक मराठी फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने की कोशिश कर रहे थे। जब मैंने अभिषेक बच्चन को कहानी सुनाई और बताया कि मैं इसे डायरेक्ट कर रहा हूं और यह छत्रपति शिवाजी महाराज पर है, तो उन्होंने कहा- 'मुझे पैसे नहीं चाहिए, मुझे बस तुम्हारी मां के हाथ का बना ठेचा चाहिए।' विद्या बालन, बोमन ईरानी, फरदीन खान किसी ने भी पैसे नहीं लिए। यहां तक कि जेनेलिया और मैंने भी एक्टिंग, डायरेक्शन या प्रोडक्शन की कोई फीस चार्ज नहीं की। सबने यह फिल्म महाराज छत्रपति शिवाजी के प्रति सम्मान और आस्था के चलते की है। सवालः सलमान खान का 'जीवा महाले' वाले कैमियो के लिए कैसे राजी किया? जवाबः सलमान भाऊ ने तो खुद मुझसे कहा था कि- 'तुम फिल्म बना रहे हो, तो मेरे लिए भी एक रोल लिखना। मेरे बिना तुम फिल्म नहीं बनाओगे।' उनका प्यार ही ऐसा है। मैंने सोचा कि अगर वो आ रहे हैं, तो उनके फैंस को स्क्रीन पर उन्हें देखकर मजा आना चाहिए। जब मैंने उन्हें जीवा महाले के किरदार में स्क्रीन

पर उतारा और अब लोगों के जो रिएक्शन आ रहे हैं, उनके फोटोज वायरल हो रहे हैं, उसे देखकर मुझे बतौर डायरेक्टर बहुत खुशी हो रही है। मुझे लगता है मैं उनकी पर्सनैलिटी के साथ न्याय कर पाया। सवालः 'राजा शिवाजी' आपके लिए सिर्फ फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। इसे बनाने में 10 साल कैसे लगे? जवाबः10 साल पहले हमने छत्रपति शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाने का सोचा था। कई बार कोशिश की, लेकिन सितारे जैसे एक साथ नहीं आ पा रहे थे। 2016 से 2019 तक कोशिश की, फिर कोविड आ गया। आखिरकार 2023 में काम शुरू हुआ और अब 26 में यह रिलीज हुई है। महाराज हमारे लिए पहले सुपरहीरो हैं, हमारा गौरव हैं। ऐसे में उनके रचे इतिहास को सही तरीके से पर्दे पर लाना एक बड़ी जिम्मेदारी थी, क्योंकि लोगों की आस्था उनसे जुड़ी है। सवालः ट्रेलर लॉन्च पर आप बहुत इमोशनल हो गए थे, जेनेलिया की आंखों में भी आंसू थे। उस वक्त क्या महसूस हो रहा था? जवाबः जब आप किसी प्रोजेक्ट पर सालों काम करते हैं और देखते हैं कि संजय दत्त, अभिषेक बच्चन जैसे लोग बिना किसी स्वार्थ के आपकी मदद करने चले आते हैं, तो आप भावुक हो जाते हैं। मुझे लगा कि जिंदगी में मैंने जो भी रिश्ते कमाए हैं, आज वो सब महाराज जी के प्रति अपने कर्तव्य के रूप में मेरे साथ खड़े हैं। ये उसी का इमोशन था। सवालः तीन घंटे की फिल्म में महाराज के इतने बड़े जीवन को समेटना कितना मुश्किल था?जवाबः उनका जीवन और कीर्ति इतनी विशाल है कि एक फिल्म में सब कुछ नहीं बांधा जा सकता। इसलिए हमने एक हिस्सा चुना। हमने सोचा कि यह दिखाएं कि उनका जन्म उसी वक्त और उसी हालात में क्यों हुआ? जैसे श्रीकृष्ण का जन्म उसी कारागृह में होना तय था, वैसे ही उस वक्त के अंधकार को मिटाने के लिए महाराज का जन्म हुआ। यह कहानी जितनी उनकी है, उतनी ही उनके परिवार की भी है कि उनके माता-पिता और भाई किस दौर से गुजरे। सवालः ऐतिहासिक सच्चाई और सिनेमैटिक लिबर्टी के बीच बैलेंस कैसे बनाया? जवाबः इतिहास में तारीखें और घटनाएं दर्ज होती हैं, लेकिन उनके बीच के धागे और इमोशंस नहीं। महाराज और उनके बड़े भाई शंभूराजे के बीच क्या बातें होती थीं, माता जीजाबाई के साथ उनका कैसा रिश्ता था... ये सब साहित्य में नहीं मिलता। ऐसे में हमें मान-मर्यादा को सामने रखकर वो रिश्ते गढ़ने पड़े, ताकि इतिहास से कोई छेड़छाड़ न हो और दर्शकों की भावनाओं को ठेस न पहुंचे।सवालः महाराज का किरदार निभाते वक्त आपके अंदर कैसा इमोशनल ट्रांसफॉर्मेन चल रहा था? जवाबः लिखते वक्त ही मुझे समझ आ गया था कि महाराज सिर्फ बैटलफील्ड में एग्रेसिव नहीं थे, बल्कि बहुत संवेदनशील भी थे। वो दूर की सोचते थे। गनीमी कावा (गोरिल्ला वारफेयर) सिर्फ हथियारों की लड़ाई नहीं, बल्कि माइंड गेम भी था। अगर आपको बड़ी छलांग लगानी है तो दो कदम पीछे लेने ही पड़ते हैं। मैंने पर्दे पर उनके उसी शांत और रणनीतिक विजन को जीने की कोशिश की है। सवालः फिल्म को लेकर अब तक का सबसे प्यारा फीडबैक किससे मिला? जवाबः सबसे सुकून देने वाला फीडबैक छत्रपति संभाजी राजे के परिवार से मिला। उन्होंने फिल्म देखी और हमारी तारीफ की। जब उनके परिवार ने कहा कि उन्हें हमारा काम पसंद आया, तो मेरे सीने से एक बहुत बड़ा बोझ उतर गया। ऐसा लगा कि हमने अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभा ली। सवालः 'एक विलेन' और 'रेड 2' जैसी फिल्मों से आपने खुद पर लगे 'कॉमेडी एक्टर' के टैग को कैसे तोड़ा?

जवाबः कॉमेडी जॉनर ने मुझे इंडस्ट्री में टिके रहने में बहुत मदद की। एक वक्त था जब मेरी कॉमेडी फिल्में लगातार हिट हो रही थीं। लेकिन सिनेमा वक्त के साथ बदलता है।

अगर आप एक ही फ्रेम में अटके रहेंगे, तो आउटडेटेड हो जाएंगे। खुद को अपग्रेड करना जरूरी था, इसलिए मैंने सीरियस और निगेटिव रोल्स किए। दर्शकों ने ही मुझे उस टैग से बाहर निकाला है। सवालः आप हिंदी सिनेमा में भी हिट हैं, फिर मराठी सिनेमा को इतना आगे ले जाने का विजन कहां से आया? जवाबः यह मेरे पिताजी (स्वर्गीय विलासराव देशमुख) की वजह से है।

उन्होंने मुझसे कहा था- 'तू हिंदी फिल्मों में काम कर रहा है, लेकिन अपनी मराठी फिल्मों के लिए क्या करेगा?' तब मैंने मुंबई फिल्म कंपनी बनाई। आज तक हमने 7 फिल्में बनाई हैं और सभी मराठी हैं। जिस मिट्टी में आप जन्मे हैं, उसे कुछ वापस देना आपका फर्ज बनता है। पिताजी आज ऊपर से यही दुआ दे रहे होंगे कि तूने अच्छा किया।

यश (रॉकी भाई) के पिता बस ड्राइवर थे, रु300 लेकर एक्टर बनने निकले,टीवी से शुरुआत करने वाले यश को केजीएफ ने पैन-इंडिया स्टार बनाया

मुंबई। यश आज पैन-इंडिया सुपरस्टार हैं, लेकिन उनका सफर संघर्षों से भरा रहा। कर्नाटक के साधारण परिवार में जन्मे यश के पिता बीएमटीसी बस ड्राइवर थे, जबकि मां हाउसवाइफ थीं। बचपन से ही मुझे एक्टर के तौर पर मिलने वाला एक्स्ट्रा अटेंशन पसंद था। इसी वजह से मुझे एक्टिंग, मोनो एक्टिंग, फैंसी ड्रेस और डांस में हिस्सा लेना अच्छा लगता था। इन सबसे मुझे बहुत खुशी मिलती थी। वहीं से यह सफर शुरू हुआ। एक्टिंग के अलावा दूसरा विकल्प नहीं था-एक्टिंग के अलावा मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। मेरे जीवन में कोई प्लान-बी नहीं था। मैं सिर्फ एक्टर बनना चाहता था। सच कहूं तो मैं स्टार बनना चाहता था। उस उम्र में मुझे यह समझ नहीं थी कि एक्टर बनना कितना मुश्किल है या इसके लिए कितनी मेहनत और समर्पण चाहिए। लेकिन बचपन से ही लगता था कि मैं एक दिन एक्टर जरूर बनूंगा। टीचर्स हीरो कहकर बुलाते थे-मेरे स्कूल के टीचर्स मुझे हीरो कहकर बुलाते थे। बचपन में मैंने एक मोनो एक्टिंग की थी, जिसमें मैं वीरप्पन को पकड़ने की बात करता था। इसी वजह से स्कूल में सब मुझे चिढ़ाते थे। जब भी वीरप्पन की कोई खबर आती, लोग मजाक में कहते, 'अरे, अभी तक पकड़ा नहीं क्या?' लेकिन मैं अंदर से मान चुका था कि एक दिन एक्टर बनूंगा। फिल्मों में आने से पहले मैं किसी एक्टिंग इंस्टीट्यूट या फिल्म स्कूल में पढ़ना चाहता था, लेकिन मेरे माता-पिता डरे हुए थे। उन्हें लगता था कि फिल्म इंडस्ट्री आसान जगह नहीं है और वहां सफल होना मुश्किल है। 10वीं के बाद ही मैं एक्टिंग में जाना चाहता था, क्योंकि मुझे पता था कि क्या करना है। लेकिन घरवालों ने कहा कि पहले डिग्री पूरी करनी होगी। पढ़ाई में मन नहीं लग रहा था-मैंने प्रियूनिवर्सिटी कोर्स पूरा किया, लेकिन धीरे-धीरे एहसास हुआ कि मेरा मन पढ़ाई में नहीं लग रहा है। पढ़ाई बुरी नहीं लगती थी, लेकिन मैं जल्दी एक्टर बनना चाहता था। मुझे लगता था कि यही सही उम्र है, जब मुझे अपने हुनर को समझना और सीखना चाहिए। किसी भी पेशे में समय लगाना जरूरी होता है, ताकि उसे अच्छे से सीखा जा सके। इसलिए मैंने तय कर लिया कि अब मुझे एक्टिंग की तरफ ही जाना है। एक्टिंग इंस्टीट्यूट की फीस भरने के पैसे नहीं थे-मेरे माता-पिता बहुत परेशान थे। उन्हें लग रहा था कि मैं उनकी बात नहीं सुन रहा हूं। मैंने उनसे कहा कि मुझे सिर्फ एक मौका चाहिए। मैं किसी एक्टिंग इंस्टीट्यूट या थिएटर ग्रुप में शामिल हो जाऊंगा। लेकिन उस समय हमारे पास इतने पैसे नहीं थे कि मैं एक्टिंग इंस्टीट्यूट की फीस भर सकूं। इसलिए मैंने थिएटर जॉइन करने का फैसला किया। मैं घर छोड़कर चला गया। यह घरवालों की मर्जी के खिलाफ था। उन्होंने मुझसे कहा, 'ठीक है, जाओ। लेकिन अगर वापस लौटकर आए तो फिर सिर्फ पढ़ाई करना और नौकरी करना।' मैंने कहा, 'ठीक है, लेकिन मुझे एक मौका दीजिए।' उन्हें लगा कि मैं जल्द ही वापस आ जाऊंगा, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। रु300 लेकर बेंगलुरु पहुंचा था जब मैं बेंगलुरु पहुंचा तो मेरे पास सिर्फ रु300 थे। शहर मुझे बहुत बड़ा और डराने वाला लगा। छोटे शहर से आने वाले इंसान के लिए बड़ा शहर डराने

वाला हो सकता है। मुझे लगा कि यहां लोग बहुत तेज हैं और हर कोई अपनी जिंदगी में व्यस्त है। लेकिन अच्छी बात यह थी कि हर जगह मुझे मदद करने वाला मिल गया। थिएटर में इमरजेंसी एक्टर बन गया-मैंने 'बेनाका' थिएटर ग्रुप जॉइन किया और बैकस्टेज काम करने लगा। बैकस्टेज काम करते हुए मैं दूसरे कलाकारों के रोल प्रैक्टिस करता था। अगर कोई एक्टर लेट हो जाता तो मैं उसके डायलॉग बोल देता। इस तरह रिहर्सल करता रहता था। धीरे-धीरे मैं इमरजेंसी एक्टर बन गया। अगर कोई बीमार हो जाए या कलाकार न आए, तो मुझे स्टेज पर भेज दिया जाता था। वहीं से मेरा असली सफर शुरू हुआ और बाद में बड़े रोल मिलने लगे। थिएटर में बैकस्टेज काम के बदले मुझे रु50 मिलते थे-उस समय मेरे माता-पिता परेशान रहते थे, क्योंकि बेंगलुरु जैसे शहर में रहना आसान नहीं था। रहने की जगह भी नहीं थी। मुझे शहर की सड़कों तक का पता नहीं था। मैं पहले कभी अपनी राजधानी तक नहीं गया था। थिएटर में बैकस्टेज काम के बदले मुझे रु50 मिलते थे। वही मेरी कमाई थी और उसी से खर्च चलता था। लेकिन आज पीछे मुड़कर देखता हूं तो वह संघर्ष नहीं, बल्कि रोमांच लगता है। हर दिन नया अनुभव था। एक्टिंग सीखने की चाह ने बनाया रास्ता- मेरा पहला स्टेज परफॉर्मेंस मुंबई में हुआ। माटुंगा में एक मैसूर एसोसिएशन थी, जहां थिएटर ग्रुप गया था। वहां छोटे रोल के लिए कलाकार नहीं आया, तो मैंने कहा कि मैं करूंगा। मैं बैकस्टेज वर्कर था। डायरेक्टर नागभारण सर ने मुझे स्टेज पर जाने से पहले रोककर कहा, 'रुको, पहले देखो और सीखो, बाद में एक्टिंग करना।' लेकिन मैंने उनसे कहा, 'सर, आपने पूछा था कि कोई है क्या? इसलिए मैं आया हूं। मैं कर लूंगा।' आखिरकार उन्होंने मुझे मौका दिया। वह मेरी जिंदगी का पहला बड़ा मौका था और लोगों को मेरा काम पसंद आया। मैं मुंबई इसलिए गया था, क्योंकि थिएटर ग्रुप के साथ रहने और खाने की सुविधा मिल जाती थी। मेरे पास सिर्फ रु300 थे और उसी में बेंगलुरु में गुजारा करना था। इसलिए सोचता था कि अगर थिएटर टीम के साथ जाऊंगा तो ट्रेन का सफर, खाना-पीना हो जाएगा और साथ ही एक्टिंग भी सीखने को मिलेगी। टीवी नहीं करना चाहता था-इसके बाद मुझे टीवी में काम मिला। किसी ने मेरा नाटक देखा और टीवी सीरियल का ऑफर दिया। शुरुआत में मैं टीवी नहीं करना चाहता था, क्योंकि मेरे दिमाग में सिर्फ फिल्मों का सपना था। मुझे लगता था कि टीवी में वो स्टारडम नहीं मिलेगा। लेकिन जिंदगी बहुत कुछ सिखाती है। टीवी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। कैमरे के सामने काम करना, टेक्निकल चीजें समझना, फोकस और शॉट्स समझना- ये सब मैंने वहीं सीखा। नए कलाकारों के लिए टीवी अच्छी जगह है, क्योंकि वहां सीखने और प्रैक्टिस का समय मिलता है। वहां का माहौल परिवार जैसा होता है और लोग सिखाते भी हैं। यश ने अपने एक्टिंग

करियर की शुरुआत टेलीविजन सीरियल्स से की थी। साल 2004 में उन्होंने टीवी सीरियल उत्तरायण से डेब्यू किया। इसके बाद वह नंदा गोकुला, माले बिल्लू और प्रीति इल्लादा मेले जैसे सीरियल्स में नजर आए। टीवी में शुरुआत में रोज रु500 मिलते थे-यश कहते हैं- मुझे अच्छे टीवी शोज और शानदार कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। वहीं से मेरी एक्टिंग की असली ट्रेनिंग शुरू हुई। टीवी में शुरुआत में मुझे रु500 प्रतिदिन मिलते थे। बाद में दूसरे सीरियल के लिए रु1500 प्रतिदिन ऑफर हुए। टीवी की कमाई कपड़ों और लुक पर खर्च करता था-उस समय कर्नाटक में टीवी कलाकारों को अपने कपड़े खुद खरीदने पड़ते थे। बाकी लोग पैसे बचाने के लिए एक ही कपड़े कई सीरियल्स में पहनते थे और गाड़ी या प्रॉपर्टी खरीदते थे। लेकिन मैं अपनी कमाई कपड़ों और लुक पर खर्च करता था। लोग मुझ पर हंसते थे और कहते थे कि मैं पैसे बर्बाद कर रहा हूं। लेकिन मैं उनसे कहता था, मेरा सपना सुपरस्टार बनना है। अभी मेरे पास उतने पैसे नहीं हैं, लेकिन मैं जितना कर सकता हूं, उतना खुद पर निवेश करूंगा। शायद उसी वजह से किसी ने मुझे देखकर कहा कि यह हीरो बन सकता है और मुझे फिल्म का ऑफर मिला। फिल्मों में एंट्री और पहला ब्रेक-यश ने साल 2007 में फिल्म जंबाड़ा हुडुगी से फिल्मों में कदम रखा। इसमें उन्होंने सपोर्टिंग रोल किया था। इसके बाद 2008 में आई फिल्म मोगिना मनसु से उन्हें बड़ा ब्रेक मिला। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ हुई और उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर (कन्नड़) मिला। यश की पहली लीड फिल्म रॉकी (2008) बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। इसके बाद कल्लारा संतहे और गोकुला जैसी फिल्में भी खास नहीं चलीं। हालांकि इन फिल्मों में उनकी एक्टिंग को लेकर चर्चा हुई। साल 2010 में आई फिल्म मोडलसाला यश की पहली सोलो हिट बनी। इसके बाद किरातका, लकी, जानू और ड्रामा जैसी फिल्मों ने उन्हें कन्नड़ सिनेमा में मजबूत एक्टर के तौर पर स्थापित किया। स्टारडम की ओर बढ़ते कदम-साल 2013 से 2017 के बीच यश ने गुगली, राजा हुली, गजकेसरी, मिस्टर एंड मिसेज रामाचारी, मास्टरपीस और संतु स्ट्रेट फॉरवर्ड जैसी हिट फिल्मों में काम किया। इस दौर में उनकी इमेज मास हीरो की बन गई। खास तौर पर मिस्टर एंड मिसेज रामाचारी बड़ी हिट साबित हुई। साल 2014 में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रु50 करोड़ से अधिक का बिजनेस किया। हर फिल्म के साथ मेरा कलेक्शन बढ़ रहा था-यश कहते हैं- इन्हीं फिल्मों ने मुझे ताकत और आत्मविश्वास दिया। हर फिल्म के साथ मेरा कलेक्शन बढ़ रहा था और दर्शकों का प्यार भी बढ़ रहा था। तब एहसास हुआ कि लोग मुझसे कुछ बड़ा उम्मीद कर रहे हैं। तभी मैंने सोचना शुरू किया कि सिनेमा सिर्फ फिल्में करने और पैसे कमाने तक सीमित नहीं है। हमारी इंडस्ट्री में बहुत संभावनाएं हैं और हमें इसे अगले स्तर तक ले जाना चाहिए। इसी दौरान मैंने प्रशांत नील की फिल्म 'उग्रम' देखी और उसके विजुअल्स देखकर हैरान रह गया। दूसरी तरफ होम्बले प्रोडक्शंस के साथ मेरी अच्छी समझ बन गई थी। हम पहले भी साथ काम कर चुके थे और आगे भी कुछ बड़ा करना चाहते थे। फिर एक दिन कार्तिक गौड़ा ने प्रशांत नील को अप्रोच किया। प्रशांत मेरे पास स्क्रिप्ट लेकर आए। मैं पहले से उनके काम का फैन था। उन्होंने मुझे केजीएफ का छोटा-सा हिस्सा सुनाया, जिसमें माइंस की कहानी थी। मैंने उनसे कहा- सिर्फ यह हिस्सा ही अपने आप में बड़ी कहानी है। इसे अलग तरीके से बनाया जा सकता है। उस समय मेरी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज रामाचारी' ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। वह उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी। इससे हमें ज्यादा आत्मविश्वास मिला कि अब बड़े बजट की फिल्म बनाई जा सकती है। फिर केजीएफ की शुरुआत हुई। जब मैंने देखा कि प्रशांत नील किस तरह काम कर रहे हैं और उनका विजन कितना बड़ा है, तब मुझे यकीन हो गया था कि हम कुछ ऐसा बना रहे हैं, जो इंडस्ट्री को बदल सकता है। केजीएफ और पैन-इंडिया पहचान-साल 2018 में आई फिल्म केजीएफः चैप्टर 1 ने यश को देशभर में पहचान दिलाई। फिल्म में उनके रॉकी किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने कन्नड़ सिनेमा के लिए नए रास्ते खोले। फिल्म कई भाषाओं में रिलीज हुई और जबरदस्त कमाई की। फिल्म ने दुनिया भर में लगभग रु250 करोड़ की कमाई की। वहीं, पहले दिन दुनिया भर में लगभग रु25 करोड़ का कलेक्शन किया था, जो उस समय कन्नड़ सिनेमा के लिए रिकॉर्ड था। इसके बाद साल 2022 में आई केजीएफः चैप्टर 2 भी सुपरहिट साबित हुई और इसने कई रिकॉर्ड बनाए। यह कन्नड़ सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। इसने दुनिया भर में रु1,215-1,250 करोड़ का बिजनेस किया।यह भारत में रु1,000 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन करने वाली चुनिंदा फिल्मों में से एक है। हिंदी वर्जन ने अकेले रु434 करोड़ से अधिक की शुद्ध कमाई की थी। यह रु1,000 करोड़ क्लब में शामिल होने वाली पहली कन्नड़ फिल्म बनी। इस सीरीज की सफलता के बाद यश पैन-इंडिया स्टार बन गए। साल 2026 यश के लिए खास रहने वाला है। उनकी दो बड़ी फिल्में रिलीज होंगी। पहली फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' है, जिसे गीतू मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। यह पीरियड गैंगस्टर ड्रामा है। इसके बाद यश 'रामायणः पार्ट 1' में रावण के किरदार में नजर आएंगे, जो दिवाली पर रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, रवि दुबे लक्ष्मण, लारा दत्ता कैकेयी और सनी देओल हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे।

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।